RNI:RJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2021-23
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2021
Posted at shantivan P.O. Dt. 17-20 of
Each Manth

शिव आमंत्रण

आध्यात्म की नई उड़ान

सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण

महा शिवरात्रि विशेष 2022

वर्ष 09 | अंक 02 | हिन्दी (मासिक) | फरवरी 2022 | पृष्ठ 16 | मूल्य ₹ 9.50

सबसे बड़ा सच] परमपिता परमात्मा इस धरा पर 86 साल पहले हो चुके हैं अवतरित

...फिर ये मत कहना कि बताया नहीं

माउंट आबू में परमात्म मिलन के साक्षी बने लाखों ब्रह्माकुमार भाई-बहन

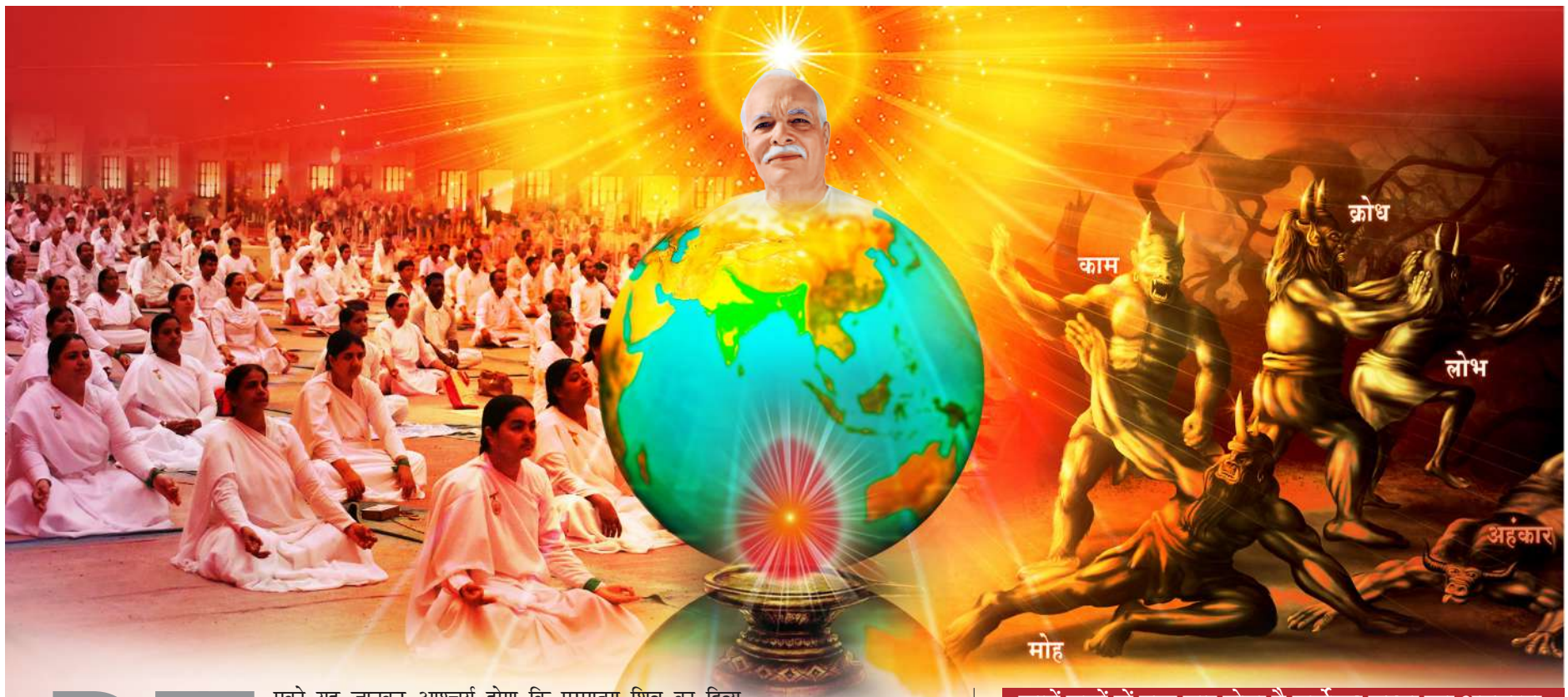

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि परमात्मा शिव का दिव्य अवतरण हो चुका है। **आत्मा-परमात्मा के मंगल मिलन का यह महामेला 86 वर्षों से माउंट आबू, राजस्थान की पावन धरा पर जारी भी है।** इस मंगल मिलन के गवाह लाखों ब्रह्माकुमार भाई-बहनें हैं। चूंकि परमात्मा का अपना कोई स्थूल शरीर नहीं होता, इसलिए वह परकाया प्रवेश कर प्रजापिता ब्रह्मा के तन का आधार लेकर मनुष्य आत्माओं को सहज राजयोग की शिक्षा दे रहे हैं। इस शिक्षा को जीवन में धारण कर लाखों लोग अपना जीवन संयमित, संपूर्ण नशामुक्त, सात्विक बना चुके हैं। जीवन में दिव्य गुण धारण कर परमात्म शक्ति की मदद से पावन दुनिया में चलने योग्य बनने के लिए दिन-रात योग-साधना में लीन हैं। परमात्म मिलन की ये सुनहरी घड़ियां अब अपनी पूर्णतः की ओर हैं। मनुष्य का गिरता निम्नस्तर और प्रकृति के पांचों तत्व भी अति की ओर बढ़ रहे हैं और बदलाव का संकेत दे रहे हैं। ब्रह्माकुमारीज़ परिवार आप सभी से आग्रह करता है कि इस दुनिया के सबसे बड़े सत्य को जानकर, परमात्मा को पहचानें और उनसे मंगल मिलन मनाने का सौभाग्य प्राप्त करें, ताकि फिर आप यह न कह सकें कि बताया नहीं। परमपिता शिव परमात्मा के दिव्य अवतरण, उनके कार्य और नई दुनिया की स्थापना को लेकर प्रस्तुत है **शिव आमंत्रण** का एक विवरण...

वर्तमान कलियुग का सारा
काल ही महारात्रि

वर्तमान समय कलियुग का अंतिम चरण चल रहा है, यह सारा काल, रात्रि अथवा महारात्रि ही है। हम सभी नर-नारियों को यह शुभ संदेश देना चाहते हैं कि अब परमपिता परमात्मा शिव संसार को पावन तथा सुखी बनाने के लिए फिर से प्रजापिता ब्रह्मा के तन में अवतरित होकर सहज राजयोग की शिक्षा दे रहे हैं। अतः हम सबका कर्त्तव्य है कि उनकी आज्ञानुसार नैष्ठिक पवित्रता और शुद्धता का पालन करें और शिव पर अर्पण होकर संसार की ज्ञान सेवा करें। वास्तव में यही सच्चा पाशुपति व्रत है। इसका फल मुक्ति और जीवन-मुक्ति की प्राप्ति माना गया है। अब मनुष्यों को चाहिए कि विकारों रूपी विष से नाता तोड़कर परमात्मा शिव से अपना नाता जोड़ें।

1937
से जारी है आत्मा-परमात्मा का महामिलन

12 लाख
लोग बने इस महामिलन के साक्षी

50 हजार
ब्रह्माकुमारी बहनें समर्पित रूप से इस दिव्य कार्य में जुटीं

21 जन्मों
की बादशाही लेने का स्वर्णिम अवसर

चारों युगों में एक बार होता है सर्वोच्च सत्ता का अवतरण

चारों युगों में एक बार ही इस सृष्टि पर परमात्मा का अवतरण होता है। जब यह दुनिया पतित भ्रष्टाचारी बन जाती है। आसुरीयता का बोलबाला हो जाता है। ऐसे समय में परमात्मा को इस सृष्टि पर आकर पुनः नई दुनिया की स्थापना का महान कार्य करना पड़ता है। जब दुनिया भौतिकता की चकाचौंध में इतनी डूब जाती है कि उसके ज्ञान नेत्र बंद हो जाने के कारण सत्य और असत्य का कुछ पता ही नहीं चलता है। तब परमात्मा आकर अपने बच्चों को स्वयं की एवं अपनी पहचान बताते हैं। - राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़, माउंट आबू

शिव कौन हैं?

भारत देश 33 करोड़ देवी देवताओं का देश है। परन्तु इन सभी देवताओं को बनाने वाले एक ही परमपिता परमात्मा शिव हैं। परमात्मा शिव देवों के भी देव महादेव, ब्रह्मा, विष्णु, शंकर के भी रचयिता त्रिमूर्ति, तीनों लोकों के मालिक त्रिलोकीनाथ, तीनों कालों को जानने वाले त्रिकालदर्शी हैं। परमात्मा जन्ममरण से न्यारे हैं। उनका जन्म नहीं होता बल्कि परकाया प्रवेश होता है। परमपिता शिव अजन्मा हैं, अभोक्ता, ज्ञान के सागर, आनंद के सागर, प्रेम के सागर, सुख के सागर हैं। उनका स्वरूप ज्योतिर्बिन्दु है। परमधाम के निवासी हैं। शिव का अर्थ ही है 'कल्याणकारी'। परमात्मा शरीरधारी नहीं है। इसका मतलब ये नहीं कि उनका कोई आकार नहीं। बल्कि स्थूल आंखों से न दिखने वाला सूक्ष्म ज्योति स्वरूप है।

शेष पेज 2 पर...

सभी धर्मों ने स्वीकारी परमपिता परमात्मा की सत्ता

परमपिता परमात्मा को विश्वभर की मनुष्य आत्माओं ने किसी न किसी रूप में स्वीकार किया है। वह सर्वमान्य और सर्वज्ञ हैं। सर्वशक्तिमान और निर्वैर हैं। वही ज्योतिपुंज, ज्योतिर्लिंग हैं। ऐसे ही देवों के भी देव महादेव परमात्मा शिव हैं।

विश्व के प्रायः सभी धर्मों के लोग परमात्मा के अस्तित्व में विश्वास करते हैं। सभी मानते हैं कि परमात्मा एक है। सभी धर्मों में सर्वशक्तिमान परमात्मा के बारे में एक बात सर्वमान्य है, वह यह कि परमात्मा ज्योतिर्बिन्दु स्वरूप हैं। इस संबंध में केवल भाषा के स्तर पर ही मतभेद हैं, स्वरूप के संबंध में नहीं। शिवलिंग का कोई शारीरिक रूप नहीं है क्योंकि यह परमात्मा का ही स्मरण चिंह्न है। शिव का शाब्दिक अर्थ है 'कल्याणकारी' और लिंग का अर्थ है प्रतिमा अथवा चिंह्न। अतः शिवलिंग का अर्थ हुआ कल्याणकारी परपपिता परमात्मा की प्रतिमा। प्राचीन काल में शिवलिंग हीरों (जो कि प्राकृतिक रूप से ही प्रकाशवान् होते हैं) के बनाए जाते थे, क्योंकि परमात्मा का रूप ज्योतिर्बिन्दु है। सोमनाथ के मंदिर में सर्व प्रथम संसार के सर्वोत्तम हीरे कोहिनूर से बने शिवलिंग की स्थापना हुई थी। विभिन्न धर्मों में भी परमात्मा को इसी आकार में मान्यता दी गई है। चाहे वे पत्थर, हीरों अथवा अन्य धातुओं की स्थायी रूप में मूर्तियां स्थापित न भी करें, लेकिन फिर भी पूजा-पाठ, प्रार्थना में दीपक अथवा ज्योति को अवश्य जलाते हैं।

सबसे बड़ा सत्य अज्ञानता रूपी रात्रि में अवतरित होते हैं परमात्मा
शंकरजी के भी परमपिता परमात्मा हैं 'शिव'

शिव और शंकर में महान अंतर है। शिवलिंग परमात्मा शिव की प्रतिमा है। परमात्मा निराकार ज्योति स्वरूप हैं। शिव का अर्थ है कल्याणकारी और लिंग का अर्थ है चिंह्न। अर्थात् कल्याणकारी परमात्मा को साकार में पूजने के लिए शिवलिंग का निर्माण किया गया। शिवलिंग को काला इसलिए दिखाया गया क्योंकि अज्ञानता रूपी रात्रि में परमात्मा अवतरित होकर अज्ञान-अंधकार मिटाते हैं। परमपिता परमात्मा शिव देवताओं एवं समस्त मनुष्यात्माओं के पिता हैं। उनका दिव्य अवतरण होता है। वे अजन्मा, अभोक्ता, अकर्ता और ब्रह्मलोक के निवासी हैं। शिव और शंकर में उतना ही अंतर है जितना कि पिता और पुत्र में। शंकर का आकारी शरीर है। शंकर, परमात्मा शिव की रचना हैं। परमात्मा शिव ने शंकर को इस कलियुगी सृष्टि के विनाश के लिए रचना की है। यही वजह है कि शंकर हमेशा शिवलिंग के सामने तपस्या करते हुए दिखाए जाते हैं। वह हमेशा ध्यान की मुद्रा में रहते हैं। यदि शंकर स्वयं भगवान होते तो उन्हें ध्यान करने की क्या जरूरत है? ध्यानमग्न शंकर की भाव-भंगिमाएं एक तपस्वी के अलंकारी रूप हैं। शंकर और शिव को एक समझ लेने के कारण हम परमात्म प्राप्तियों से वंचित रहे। अब पुनः अपना भाग्य बनाने का मौका है।

श्रीराम ने भी की पूजा

परमात्मा शिव की पूजा स्वयं श्रीराम ने भी की है, जो वर्तमान समय में रामेश्वरम के रूप में पूजा जाता है। परमात्मा शिव, श्रीराम के भी आराध्य हैं। यदि श्रीराम भगवान होते तो उन्हें ज्योतिर्लिंगम की पूजा करने की क्या आवश्यकता हुई? वह जानते थे रावण को अपनी जिस शक्ति का अभिमान है वह उसने परमात्मा शिव की तपस्या करके ही प्राप्त की थी। उससे मुकाबला करने के लिए शिव की शक्ति से ही विजयी हो सकते हैं।

शंकर भी लगाते हैं ध्यान

हम शंकरजी को हमेशा ध्यान की मुद्रा में देखते हैं। इससे स्पष्ट है उनके भी कोई आराध्य या देव हैं, जिनका वह स्मरण करते रहते हैं। परमात्मा शिव, शंकर के भी रचयिता हैं। वह शंकर द्वारा इस आसुरी सृष्टि का विनाश कराते हैं। शंकर जी की ध्यान मुद्रा में योग की वह अवस्था बताई है। अर्धनेत्र खुले और अर्ध पद्मासन या सुखासन का आसन, जिसमें वह निराकार परमात्मा का ध्यान लगाते हैं।

श्रीकृष्ण ने भी पूजा

महाभारत युद्ध के पहले कुरुक्षेत्र के मैदान में श्रीकृष्ण ने भी ज्ञानेश्वर, सर्वेश्वर की स्थापना कर उस परमपिता, सर्वशक्तिवान, निराकार शिव की पूजा-अर्चना की और उस शक्तियों के दाता से शक्ति प्राप्त कर युद्ध के मैदान में उतरे। श्रीकृष्ण ने पांडवों से भी शिव की पूजा करवाई। इसके बाद वह युद्ध के मैदान में उतरे और कौरवों पर विजय प्राप्त की। शिव को भोलेनाथ भी कहा गया है, क्योंकि वह सहज ही प्रसन्न होने वाले हैं।

एक ओंकार निराकार

सिख धर्म में गुरुनानक देवजी ने कहा है 'एक ओंकार निराकार'। उन्होंने बड़े स्पष्ट शब्दों में परमात्मा के सत्य स्वरूप का वर्णन किया है। 'वो निराकार है, निर्वैर है, सतनाम् है' जिसको काल कभी नहीं खा सकता। यह सब महिमा गुरुवाणी में लिखी हुई है। हमने ज्योतिर्लिंगम कहा उन्होंने निराकार, निर्वैर, सत्यनाम कहा। गुरुनानक देव जी को हमेशा ऊपर की तरफ अंगुली करते दिखाया गया है।

गॉड इज लाइट

जीजस ने परमात्मा को लाइट कहा। उन्होंने कहा 'गॉड इज लाइट', आई एम द सन् ऑफ गॉड। आज भी चर्च में एक बड़ी मोमबत्ती जलाते हैं जो परम ज्योति परमात्मा का ही सूचक है।

अल्लाह को कहा- नूर

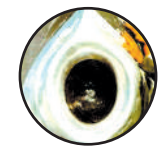

मुस्लिम धर्म में मान्यता है कि जीवन में एक बार मक्का मदीना की यात्रा अवश्य करनी चाहिए। इस पवित्र पत्थर का दर्शन मुसलमानों के लिए आवश्यक माना गया है। वो भी निराकार है, जिसकी कोई साकार आकृति नहीं है। उसको ही संग-ए-असवद और अल्लाह कहा। उसे वह लोग नूर-ए-इलाही भी कहते हैं। नूर-ए-इलाही अर्थात् वो नूर, वो तेज, वो तेजोमय स्वरूप जिसको हमने ज्योतिर्लिंगम वा ज्योतिस्वरूप कहा है। ज्योति माना ही तेज।

अतः सभी धर्मों ने किसी न किसी रूप मे उस परमसत्ता की शक्ति को स्वीकारा है। इसके अलावा विश्वभर के सभी वेद-शास्त्रों, उपनिषद, ग्रंथ आदि सभी में कहीं न कहीं परमात्मा के ज्योति स्वरूप की व्याख्या की है। वही त्रिलोकीनाथ, तीनों लोकों के ज्ञाता परमपिता परमेश्वर परमात्मा शिव हैं।

शिव के साथ क्या है रात्रि का संबंध...?

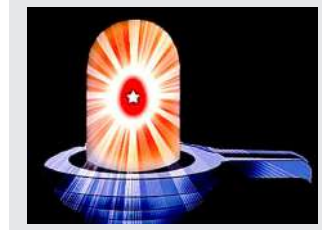

विश्व की सभी महान विभूतियों के जन्मोत्सव मनाए जाते हैं, लेकिन परमात्मा शिव की जयंती को जन्मदिन न कहकर शिवरात्रि कहा जाता है, आखिर क्यों? इसका अर्थ है परमात्मा जन्ममरण से न्यारे हैं। उनका किसी महापुरुष या देवता की तरह शारीरिक जन्म नहीं होता है। वह अलौकिक जन्म लेकर अवतरित होते हैं। उनकी जयंती कर्त्तव्य वाचक रूप से मनाई जाती है। जब- जब इस सृष्टि पर पाप की अति, धर्म की ग्लानि होती है और पूरी दुनिया दुःखों से घिर जाती है तो गीता में किए अपने वायदे अनुसार परमात्मा इस धरा पर अवतरित होते हैं।

रोम में शिवलिंग को कहा जाता है 'प्रियपस'...

पारसियों के अग्यारी में होली फायर मिलता है। पारसी जब भारत आए तो जलती हुई अग्नि का अंश लेकर आए। वह आज भी जब नई अग्यारी की स्थापना करते हैं तो जलती हुई ज्योत का अंश स्थापन करते हैं, जो परमज्योति का प्रतीक है। मिस्र में शिव की पूजा सेवा व फैजी देश में शिव को सेवा या सेवाजिया नाम से पूजते हैं। रोम में शिवलिंग को प्रियपस कहा जाता है।

शिवलिंग पर तीन रेखाएं ही क्यों...?

शिवलिंग पर तीन रेखाएं परमात्मा द्वारा रचे गए तीन देवताओं की ही प्रतीक हैं। परमात्मा शिव तीनों लोकों के स्वामी हैं। तीन पत्तों का बेलपत्र और तीन रेखाएं परमात्मा के ब्रह्मा, विष्णु, शंकर के भी रचयिता होने का प्रतीक हैं। वे प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा सतयुगी दैवी सृष्टि की स्थापना, विष्णु द्वारा पालना और शंकर द्वारा कलियुगी आसुरी सृष्टि का विनाश कराते हैं।

परमात्मा की पहचान के लिए मुख्य पांच बातें

सर्वमान्य: परमात्मा एक और सत्य हैं। परमात्मा उन्हें कहा जाएगा जो सर्वमान्य हों और सभी धर्मों की आत्माएं स्वीकार करें। वह सर्व धर्मों की आत्माओं के परमपिता हैं। उन्हें अलग-अलग भाषाओं और धर्मों में अलग-अलग नामों से याद किया जाता है। जैसे- परमेश्वर, ईश्वर, ओंकार, अल्लाह, खुदा, गॉड, नूर इत्यादि उसके ही नाम हैं।

सर्वोच्च: परमात्मा उसे कहेंगे जो सर्वोच्च, सर्वश्रेष्ठ, सर्वोत्तम और परम हों यानी उसके ऊपर कोई नहीं हो।

परमात्मा का कोई माता-पिता, शिक्षक, गुरु या रक्षक नहीं है। बल्कि वे ही सर्व आत्माओं के परमपिता, परमशिक्षक, परम सत्गुरु और परम रक्षक हैं।

सबसे न्यारा: परमात्मा जन्म-मरण, कर्म-फल, पाप-पुण्य, सुख- दुःख से न्यारे और सर्व प्राकृतिक बंधनों से मुक्त हैं।

सर्वज्ञ: परमात्मा ही सर्वज्ञ अर्थात् इस सृष्टि का आदि-अंत जानते हैं। वही रचनाकार और पालनहा हैं। मुक्ति और जीवनमुक्ति के दाता हैं।

शक्तियों का भंडार: परमात्मा सर्व गुणों और शक्तियों का भंडार हैं। वह सागर या सूर्य के समान अपने गुणों और शक्तियों को विश्व की सर्व आत्माओं को देकर उनका कल्याण करते हैं।

तीन लोकः स्थूल लोक, सूक्ष्म लोक, ब्रह्मलोक

स्थूल लोक: इस सृष्टि में तीन लोक होते हैं। पहला स्थूल वतन, दूसरा सूक्ष्म वतन और तीसरा मूल वतन अर्थात् परमधाम (ब्रह्मलोक, शांतिधाम या निर्वाणधाम) मनुष्य सृष्टि अथवा स्थूल लोक जिसमें हम निवास करते हैं। इसे कर्म क्षेत्र भी कहते हैं।

सूक्ष्म लोक: सूर्य-चांद से भी पार एक अति सूक्ष्म लोक है। इसमें पहले सफेद रंग के प्रकाश तत्व में ब्रह्मापुरी, उसके ऊपर सुनहरे लाल प्रकाश में विष्णुपुरी और उसके भी

पार शंकरपुरी है। इन तीनों देवताओं की पुरियों को संयुक्त रूप से सूक्ष्म लोक कहते हैं।

ब्रह्मलोक: सूक्ष्म लोक से भी ऊपर एक असीमित तेज सुनहरे लाल रंग का प्रकाश है, इसे अखंड ज्योति ब्रह्म तत्व कहते हैं। ज्योतिर्बिन्दु त्रिमूर्ति परमपिता परमात्मा शिव और सभी धर्मों की आत्माएं इसी लोक में निवास करती हैं। इसे ब्रह्मलोक, परमधाम, शांतिधाम, निर्वाणधाम, मोक्षधाम अथवा शिवपुरी कहा जाता है। परमात्मा ही 33 करोड़ देवी-देवताओं के रचनाकार, ब्रह्मा, विष्णु, शंकर के भी रचयिता त्रिमूर्ति, तीनों लोकों के मालिक त्रिलोकीनाथ, जानी-जाननहार और सृष्टि के नियंता हैं।

दिव्य अवतरण] धर्म-ग्रंथों में भी परमात्मा के दिव्य अवतरण का मिलता है उल्लेख

अवजानन्ति मां मूढ़ा मानुषीं तनुमाश्रितम् परं भावमजानन्तो मम भूतमहेश्वरम्

गीता, महाभारत, रामायण, शिव पुराण और मनुस्मृति में भी है परमात्मा के दिव्य अवतरण का उल्लेख

परमात्मा ने गीता में नौवें अध्याय 11वें श्लोक में कहा है कि मनुष्य तन का आश्रय लेने वाले मुझको मूढ़मति लोग नहीं जानते। यद्यपि मैं महेश्वर (परमात्मा) हूँ तो भी व्यक्त भाव वाले वे लोग मुझे नहीं पहचान सकते।

यजुर्वेद (32/2) का वचन है कि सर्वे निमेषा जज्ञिरे विद्युत पुरूषाधि, अर्थात् वह विद्युत पुरूष ज्योतिर्लिंग प्रगट हुआ जिससे निमेष जज्ञिरे विद्युत पूरूषादधि अर्थात् वह विद्युत पुरूष प्रगट हुआ जिससे निमेष कला का आदि का प्रारम्भ हुआ।

शमो दमस्तपः शौचं
क्षान्तिरार्जवमेव च।
ज्ञानं विज्ञानमास्तिक्यं
ब्रह्मकर्म स्वभावजम्।।

(43)।। (अष्टादश अध्याय) गीता भावार्थः मन का शमन, इन्द्रियों का दमन, पूर्ण पवित्रता, मन-वाणी और शरीर को इष्ट के अनुरूप तपाना, क्षमाभाव, मन, इंद्रियों और शरीर की सर्वथा सरलता, आस्तिक बुद्धि अर्थात् एक इष्ट में सच्ची आस्था, ज्ञान अर्थात् परमात्मा की जानकारी का संचार, विज्ञान अर्थात् परमात्मा से मिलने वाले निर्देशों की जागृति एवं उसके अनुसार चलने की क्षमता, यह सब स्वभाव से उत्पन्न हुए ब्राह्मण के कर्म हैं अर्थात् जब स्वभाव में यह योग्यताएं पाई जाएं, कर्म धारावाही होकर स्वभाव में ढल जाए तो वह ब्राह्मण श्रेणी का कर्त्ता है।

एक ज्योति ने की नवयुग की स्थापना-

महाभारत में भी लिखा है कि सबसे पहले जब यह सृष्टि तमोगुण और अंधकार से आच्छादित थी तब एक अण्डाकार ज्योति प्रकट हुई और वह ज्योतिर्लिंग ही नए युग की स्थापना के निमित्त बना। उसने कुछ शब्द कहे और प्रजापिता ब्रह्मा को अलौकिक रीति से जन्म दिया। महाभारत के शांतिपर्व श्लोक संख्या 337-24-25 में लिखा है कि 'भगवान ने नई सृष्टि की रचना के लिए ब्रह्मा की बुद्धि में प्रवेश किया'। उन्हें ज्ञान देकर अपने जैसे अन्य दिव्य आत्माओं को तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी।

वह बिना पैर के चलता है...

बिनु पद चलई सुनई बिनु काना। कर बिनु करम करई विधि नाना। आनन रहित सकल रस भोगी। बिनु बानी बकता बड़ जोगी।
(शिव के लिए)।।

वह निराकार परमात्मा (ब्रह्मलोक निवासी) बिना ही पैर के चलता है, बिना कान के सुनता है, बिना हाथ के नाना प्रकार के काम करता है। फिर भी हजारों भुजा वाला है, बिना मुंह के ही सारे (छहों) रसों का आनंद लेता है और बिना वाणी के बहुत योग्य वक्ता है। वही हमारा परमात्मा राम है।

जो हजारों सूर्य के समान तेजस्वी है

मनुस्मृति में भी यही लिखा है कि सृष्टि के आरंभ में एक अंड प्रकट हुआ, जो हजारों सूर्य के समान तेजस्वी और प्रकाशमान था। इसी प्रकार शिवपुराण में धर्मसंहिता में लिखा है कि कलियुग के अंत में प्रलय काल में एक अद्भुत ज्योतिर्लिंग प्रकट हुआ जो कि कालाग्नि के समान ज्वालामान था। वह न घटता था और न बढ़ता था, वह अनुपम था और उस द्वारा ही सृष्टि का आरंभ हुआ। इस तरह हम देखते हैं कि भारत के सभी वेद-ग्रंथों में परमात्मा के अवतरण की बात कहीं गई है। कहीं उसकी व्याख्या ज्योति तो कहीं सूर्य से भी प्रकाशमान ज्योति के रूप में की गई है।

गीता में लिखा है- 'मेरा जन्म दिव्य और अलौकिक है'

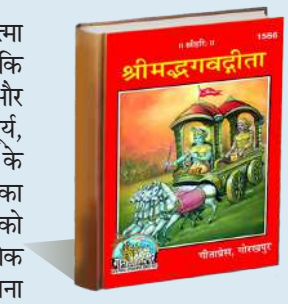

गीता में परमात्मा ने कहा है कि 'मेरा जन्म दिव्य और अलौकिक है। मैं सूर्य, चांद और तारागण के भी पार परमधाम का वासी हूं। मैं प्रकृति को वश करके इस लोक में धर्म की स्थापना करने और प्रायः लुप्त हुआ ज्ञान सुनाने आता हूं। **वत्स! तू मन को मुझमें लगा। मैं तुझे सब पापों से मुक्त करुंगा, मैं तुम्हें परमधाम ले चलूंगा'** चूंकि परमात्मा गीता में किए अपने वायदे अनुसार साधारण मनुष्य तन का आधार लेकर नई सृष्टि की स्थापना की आधारशिला रखते हैं। इस दिव्य कार्य में भागीरथी बनने पर वह उन्हें दिव्य कर्तव्यवाचक नाम प्रजापिता ब्रह्मा देते हैं। उनके मुख से अपने अवतरण और राजयोग की शिक्षा देते हैं। परमात्मा ने गीता में साफ कहा है कि हे! मानव तू एक जन्म मेरे बताए मार्ग पर चलकर अपने मन को मुझमें लगा तो मैं तुम्हें जन्म-जन्म के पापों से मुक्त कर दूंगा।

मैं ब्रह्मा के ललाट से प्रकट होऊंगा...

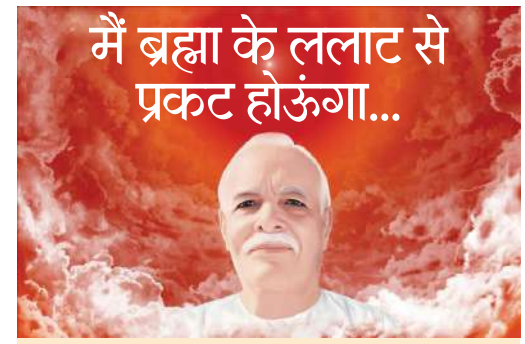

ये वाक्य शिवपुराण में कोटि रुद्र संहिता के 42वें अध्याय में लिखा है। शिव पुराण में लिखा है कि भगवान शिव ने कहा- **मैं ब्रह्माजी के ललाट से प्रकट होऊंगा।** इस कथन के अनुसार समस्त संसार पर अनुग्रह करने के लिए शिव ब्रह्माजी के ललाट से प्रकट हुए और उनका नाम रूद्र हुआ। शिव ने ब्रह्मा मुख द्वारा सृष्टि रची। शिवपुराण में अनेक बार यह उल्लेख आया है कि **भगवान शिव ने पहले प्रजापिता ब्रह्मा को रचा और फिर उनके द्वारा सतयुगी सृष्टि की स्थापना की।**

प्रकृति असंतुलन | प्रकृति के पांचों तत्वों में बढ़ रहा असंतुलन कर रहे परिवर्तन का इशारा

तेजी से बदल रहा दुनिया का परिदृश्य

सृष्टि का शाश्वत नियम है कि कोई भी चीज हमेशा अपने मूल स्वरूप में नहीं रहती है। बदलाव या परिवर्तन प्रकृति का नियम है। जैसे- दिन के बाद रात और रात के बाद दिन का आना तय है, उसी तरह सृष्टि चक्र में सतयुग के बाद त्रेतायुग, द्वापरयुग और फिर कलियुग क्रम से आना तय है। चाहे प्रकृति का बिगड़ता संतुलन हो या समाज से विलुप्त होतीं मानवीय संवेदनाएं और गिरता नैतिक चरित्र, कहीं न कहीं विश्व परिवर्तन का स्पष्ट इशारा कर रही हैं। समय रहते इसे गंभीरता से समझने की जरूरत है। क्योंकि यह बदलाव ईश्वरीय संविधान का हिस्सा है, जो मानव के हित में है। धर्मग्लानि के जो चिंह्न शास्त्रों में बताए गए हैं वर्तमान में दुनिया की स्थिति उससे भी दयनीय और गंभीर हो गई है। मनुष्य का नैतिक और चारित्रिक रूप से इतना पतन हो चुका है कि ऐसे कार्यों का तो शास्त्रों, वेद-ग्रंथों तक में उल्लेख नहीं है।

प्रकृति भी दे रही है परिवर्तन का संकेत

सृष्टि के आदि में प्रकृति अपने मूल स्वरूप में थी। सतोप्रधान थी। हर तत्व सुखदायी था। समय के साथ प्रकृति भी बदलती गई। उसके पांचों तत्वों में मानवीय दोहन से विकृत होना शुरू हो गया। आज असमय ही बाढ़, भूकंप, तूफान, आगजनी आम बात हो गई है। ये सभी बातें प्रकृति के बदलाव अर्थात् परिवर्तन की ओर संकेत कर रही हैं। संहार के बाद नवसृजन सृष्टि चक्र का नियम है। आज स्थिति यह है कि बड़े महानगरों में शुद्ध पेयजल तक का अभाव होने लगा है। शुद्ध ऑक्सीजन की कमी होने लगी है। जंगल और पेड़ों की संख्या दिनोंदिन घट रही है, उस अनुपात में पौधारोपण न के बराबर हो रहा है। कार्बन उत्सर्जन से वायु प्रदूषण में भी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। उर्वरकों के प्रयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति घट रही है। धरती का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। वर्षा ऋतु कम हो रही

है या असमय 12 महीने कभी भी बारिश हो जाती है। सारी चीजें अति की ओर बढ़ रही हैं।

परमाणु बम बनाम विश्व शांति...?

साइंस ने जहां जीवन को आसान बना दिया है वहीं परमाणु बम, मिसाइल, रॉकेट की फौज ने दुनिया को मौत के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। एक तरफ तमाम देश परमाणु शक्ति बढ़ाने में लगे हैं और दूसरी ओर विश्व शांति की बात कर रहे हैं। एक साथ दोनों कैसे संभव हैं? ऐसे में विश्व शांति की राह ही एकमात्र उपाए है। विश्व के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने अंदर शांति के गुण को धारण करना होगा।

मानवीय मूल्यों का पतन और पुनर्स्थापना की तैयारी

व्यक्ति के कर्म इतने निम्न स्तर पर पहुंच गए हैं जिनकी कभी कल्पना नहीं की होगी। धर्मशास्त्रों में धर्मग्लानि के जो चिंह्न बताए गए हैं उससे भी निम्न दर्जे की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिसने हमारे मानव होने पर ही प्रश्न चिंह्न लगा दिया है। सृष्टि के विनाश और नवयुग के सृजन का ये वही संधि काल संगमयुग चल रहा है।

शिवलिंग शिव के निराकार स्वरूप का प्रतीक

(विद्येश्वर संहिता... अध्याय 5-8)

भगवान शिव ही ब्रह्मरूप होने के कारण निष्कल (निराकार) कहे गए हैं। रूपवान होने के कारण उन्हें सकल भी कहा गया है। इसलिए वे सकल और निष्कल दोनों हैं। शिव के निष्कल निराकार होने के कारण ही उनकी पूजा का आधारभूत लिंग भी निराकार ही प्राप्त हुआ है अर्थात् शिवलिंग शिव के निराकार स्वरूप का प्रतीक है। इसी प्रकार शिव के सकल या साकार होने के कारण उनकी पूजा का आधारभूत विग्रह साकार प्राप्त होता है अर्थात् शिव का साकार विग्रह उनके साकार स्वरूप का प्रतीक होता है। सकल और अकल रूप होने से ही वे ब्रह्म शब्द से कहे जाने वाले परमात्मा हैं। यही कारण है कि सब लोग लिंग (निराकार) और मूर्ति (साकार) दोनों में सदा भगवान शिव की पूजा करते हैं।

परमपिता परमात्मा से मंगल मिलन मनाते हजारों ब्रह्मा वत्स

ब्रह्माकुमारीज़] एक अद्भुत और अनोखा विश्व विद्यालय जहां लिखी जा रही नई दुनिया की 'पटकथा'

नई दुनिया का हिस्सा बनने के लिए लाखों लोगों ने अपनाया ज्ञान-योग, सेवा-धारणा का मार्ग

50 हजार से ज्यादा ब्रह्माकुमारी बहनों ने विश्व बदलाव के लिए अपना जीवन सेवा में अर्पण किया

दुनिया का एकमात्र अनोखा और अद्भुत विश्व विद्यालय जहां नई दुनिया की पटकथा लिखी जा रही है। वह भी गुपचुप तरीके से । इस कार्य को पूरे 86 वर्ष भी बीत गए हैं। ब्रह्माकुमारी विश्व विद्यालय दुनिया का ऐसा विद्यालय है जहां न उम्र का बंधन है, न जाति भेद, मजहब की दीवारें। इन सबसे परे यहां वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को चरितार्थ किया जा रहा है। ज्ञान, योग, सेवा और धारणा इस विद्यालय के मुख्य सब्जेक्ट हैं जिन्हें जीवन में धारण करते हुए आज इस कारवां से 12 लाख से अधिक लोग जुड़कर संयमित जीवन जी रहे हैं। पूरी तरह से नशामुक्त ये ब्रह्माकुमार-ब्रह्माकुमारी समाज में नजीर बने हुए हैं। पवित्रता के व्रत के साथ संयमित जीवन और परमात्म शक्ति इनका हरदम हौसला बढ़ाती है।

वर्ष 1936 में दादा लेखराज के लिए परमात्मा ने कराए दिव्य साक्षात्कार

सन् 1937 में हीरे-जवाहरात के प्रसिद्ध व्यापारी दादा लेखराज के तन को परमपिता शिव परमात्मा ने अपने अवतरण का आधार बनाया। हैदराबाद सिंध (अभी पाकिस्तान में) में इस मिलन का एक छोटे स्तर से प्रारंभ हुआ। क्योंकि तब परमात्मा को एक ऐसे सशक्त संगठन की जरूरत थी जिससे लोगों को यह एहसास हो सके यह कोई साधारण नहीं बल्कि परमात्मा की शिव शक्ति सेना है। चूंकि परमात्मा को भारत और वंदे मातरम् की गाथा को भी चरितार्थ करना था, इसलिए माताओं-बहनों के सिर पर ज्ञान का कलश रखा और उन्हें इस महाभियान में अग्रणी बनाया।

ब्रह्मा वत्सों से 14 वर्ष तक कराई कठिन तपस्या...

परमात्मा तो जानी जाननहार है, इसलिए उन्होंने ब्रह्मा वत्सों की भविष्य की स्थिति को शक्तिशाली और परमात्मा के अवतरण को पुख्ता करते हुए 14 वर्ष तक घोर तपस्या कराई। संस्था के प्रारंभ में जुड़ने वाली अधिकतर माताएं- बहनें और कुछ भाई 14 वर्ष तक घर से बाहर नहीं निकले। उनके सामने एक ही लक्ष्य था खुद को राजयोग साधना में तपाना। यह तपस्वी ज्ञान-योग में तपकर परिपक्व और इतने शक्तिशाली बन गए कि आज उनके तप व त्याग की शक्ति दूसरों को भी आध्यात्म और परमात्म मिलन के पथ पर अग्रसर कर रही है। यही तपस्वी परमात्म को दुनियाभर में पहुंचाने के निमित्त बने।

परमात्मा शिव स्वयं सिखा रहे हैं

राजयोग

राजयोग को योगों का राजा कहा जाता है। इसमें सभी योगों का सार समाया हुआ है। राजयोग अंतर्जगत की एक यात्रा है। इसके माध्यम से हम अपने विचारों को एक सकारात्मक चिंतन की ओर ले जाते हैं और श्रेष्ठ दिशा देते हैं।

चिंतन श्रेष्ठ होने से मन की कार्यकुशलता बढ़ जाती है और कर्मों में प्रवीणता आने लगती है। एक अेयास के बाद हमें जीवन जीने की श्रेष्ठ कला मिल जाती है। राजयोग आत्मदर्शन और परमपिता परमात्मा से संवाद कराकर राजाई पद दिलाने वाला सर्वश्रेष्ठ योग है।

संस्था हर क्षेत्र में निभा रही जिम्मेदारी

आध्यात्म और राजयोग मेडिटेशन की शिक्षा के साथ ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा सामाजिक जिम्मेदारी के तहत कई अभियान चलाए जा रहे हैं। किसानों के के लिए देशव्यापी अभियान शाश्वत जैविक-यौगिक खेती, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, युवा जागृति, महिला सशक्तिकरण, नशामुक्ति, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, आदि अभियान चलाए जा रहे हैं। साथ ही देशभर के कई विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर युवाओं के लिए मूल्यनिष्ठ शिक्षा पाठ्यक्रम कोर्स चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा संस्थान को संयुक्त राष्ट्र संघ के गैर सरकारी शांतिदूत सलाहकर संगठन के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।

1950 में संस्था का माउंट आबू में हुआ स्थानांतरण

भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के बाद परमात्मा के निर्देशानुसार यह संस्था राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउण्ट आबू में स्थानांतरण हुआ। यहां छोटे से रूप में संस्था के सेवा कार्यों की शुरुआत हुई। माउण्ट आबू से ही पूरी दुनिया में ईश्वरीय निर्देशन में आध्यात्म और परमात्मा के अवतरण के आने की सूचना और विश्व परिवर्तन के कार्य का शंखनाद हुआ। संस्था का मुख्यालय माउण्ट आबू में ही है। 86 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुई संस्था आज पूरे विश्व में एक वट वृक्ष का रूप ले चुकी है। संस्था के पूरे विश्व के 140 मुल्कों में करीब 4200 से भी ज्यादा सेवाकेन्द्र हैं। संस्थान में समर्पित रूप से 50 हजार से अधिक बहनें विश्व परिवर्तन के महान कार्य में तन-मन-धन से लगी हुई हैं। वहीं 12 लाख से ज्यादा लोग रोज आध्यात्मिक नियमों का पालन करते हुए इस मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ते जा रहे हैं। इनके माध्यम से मनुष्यात्माओं को परमात्मा के आने की सूचना और उनसे शक्ति लेकर अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाने की सेवा अनवरत जारी है। संस्था से जुड़े नियमित विद्यार्थी परमात्मा के महावाक्यों का श्रवण, मनन-चिंतन कर अपने जीवन को संवारने में जुटे हैं। साथ ही राजयोग के माध्यम से उनका परमात्मा से सीधा संवाद होता है। राजयोग और आध्यात्मिक शिक्षा द्वारा मनुष्य नर से नारायण व नारी से लक्ष्मी जैसा बनने का श्रेष्ठ कर्म कर रहे हैं।

परमात्मा ने स्वयं दिया था अपना परिचय

वर्ष 1936 की बात है दादा लेखराज एक दिन वाराणसी में अपने मित्र के यहां गए थे। वहां उन्हें रात्रि में अचानक इस दुनिया के भयंकर महाविनाश का साक्षात्कार होने लगा। ऐसे विनाशक हथियारों का साक्षात्कार हुआ जो उस समय इसकी परिकल्पना तक नहीं थी। इसके बाद नई दुनिया की स्थापना के लिए आसमान से उतरते देवी-देवताओं का भी साक्षात्कार हुआ। दादा लेखराज को यह बात समझ नहीं आई। जब दादा अपने घर पहुंचे और अपने कमरे में बैठे थे तो उनके अंदर निराकार परमपिता परमात्मा ने प्रवेश कर साक्षात्कार कराया। साथ ही स्वयं परमात्मा ने अपना परिचय दिया -

निजानंद् स्वरूपम् शिवोहम्,शिवोहम्।
आनंद स्वरूपम् शिवोहम्, शिवोहम्।
प्रकाश स्वरूपम् शिवोहम् शिवोहम्।

इस परिचय के साथ स्वयं परमपिता परमात्मा ने यह आदेश दिया कि अब तुम्हें एक नई दुनिया बनानी है। यही से शुरू हुआ परमपिता परमात्मा के दुनिया बदलाव का गुप्त कार्य जो आज तक अनवरत चल रहा है।

पिछले 86 वर्ष से जारी है मिलन...

पूरी दुनिया में केवल एक ही ऐसी जगह है जहां आत्मा-परमात्मा के मिलन का साक्षात् महाकुम्भ होता है। यह सच है, यह मिलन पिछले 86 वर्षों से लगातार जारी है। ज्ञान की गंगा में ज्ञान स्नान कर वे सभी लोग देवत्व की राह पर चल पड़े हैं। इस महामिलन के साक्षी किसी भी भाई-बहन से पूछें तो सभी का एक ही उत्तर मिलता है, नर से नारायण व नारी से लक्ष्मी बनना है। इतना ऊंचा मुकाम है, फिर भी इसकी सफलता उनके नयनों में साफ झलक जाएगी। उनकी सोच और कर्मों में दैवीगुण स्पष्ट मिल जाएंगे।

शख्सियत

मशहूर होने की ख्वाहिश के साथ मेडिटेशन अभ्यास ने दर्ज करवाया दो बार वर्ल्ड रिकार्ड

जादूगर हैरी

हांसी, हरियाणा

मेरे जीवन का लक्ष्य है कि गांव-गांव, शहर-शहर जाकर अपनी कला से परमात्मा का परिचय दूं, शिव बाबा और ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का एहसान चुका सकूं।

शिव आमंत्रण। श्रेष्ठ संकल्प और कड़ी मेहनत से सब कुछ हासिल हो सकता है। जीवन में हम कौन-सी मंजिल पर पहुंचना चाहते हैं यह भी इसी बातों पर निर्भर करता है। कहते हैं-जहां चाह है वहां राह है। इसी उक्ति को चरितार्थ करते हैं बीके हरीश उर्फ हैरी (35)। एक किसान परिवार में हरियाणा के हांसी में जन्मे हैरी जादू के क्षेत्र में एक महान कलाकार हैं। करीब 20 वर्ष से ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान से जुड़कर मेडिटेशन अभ्यास कर रहे हैं। वर्तमान में वह आबू निवासी हैं। उन्होंने जीवन में काफी मेहनत कर कई उपलब्धियां हासिल की हैं। आपने दांतों द्वारा ट्रक खींचने का इंडिया और एशिया रिकार्ड बनाया, टीवी धारावाहिक अकबर-बीरबल में अभिनय किया, यूथ टैलेंट शो माउंट आबू में प्रथम स्थान लिया, भारतीय मैजिक जागृति संस्थान द्वारा आयरन मैन अवार्ड प्राप्त किया, जादू शो में 2 बार वर्ल्ड रिकार्ड बनाया, टीवी रियल्टी शो टैलेंट वर्ल्ड में प्रथम स्थान पाकर इनाम में ऑल्टो कार प्राप्त किया। जादूगर हैरी ने शिव आमंत्रण से खास बातचीत में अपने जीवन से जुड़े अनछुए पहलुओं को सांझा किया। आइए उन्हीं के शब्दों में जानते हैं उनकी जीवन कहानी....

समझ नहीं आ रहा था कि अच्छा बनकर मशहूर बनूं या बुरा बनकर

बचपन से ही मशहूर होने का शौक था। भले एक मशहूर गैंगस्टर ही क्यों न बन जाऊं, इसलिए संगदोष में आकर लड़ाई-झगड़े करने लगा था। इस कारण मेरे ऊपर कुछ मुकदमे भी दर्ज हो गए। आस पड़ोस में बहुत फेमस होकर कई बार जेल भी जाना पड़ा था। घर पर शिकायतें आने लगी, इस कारण से घर में हमारी खूब पिटाई होने लगी थी। एक दिन अचानक ही घूमते-घूमते ब्रह्माकुमारीज़ मेडिटेशन सेवाकेंद्र जाना हुआ। वहां एक गीत चल रहा था कि दिल का अब संकल्प यही है बाबा तुम-सा बनना ही है। जब यह गीत सुना तो अंदर से संकल्प आया कि अब से ब्रह्मा बाबा जैसा ही बनना है। पहले दिन से ही जब मेडिटेशन केंद्र पर कदम रखा तो उसी दिन से नॉनवेज खाना छोड़ दिया। तब धीरे-धीरे संस्कारों में सुधार आने लगा। इसी दौरान जब घर वालों को पता लगा कि मैं ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान जाने लगा हूं तो पापा रोकने लगे और पिटाई करने लगे कि वहां मत जाओ। एक दिन घर से पिटाई होने के बाद हम सोचने लगे कि जब बुरे काम कर रहा था तो पिटाई होती थी और अब खुद में सुधार कर रहा हूं, अच्छा बनने की मेहनत कर रहा हूं तब भी पिटाई हो रही है। समझ नहीं आ रहा था कि क्या बनूं और क्या करूं?

राजयोग तपस्या की और फिर शिव बाबा ने बहुत मदद कराई

रोज मुरली और मेडिटेशन अभ्यास से परमात्मा और ज्ञान में निश्चय बढ़ने लगा। तब से खराब संग भी छूटने लगा। धीरे-धीरे पुरुषार्थी जीवन तीव्रता से आगे बढ़ने लगा। तभी मेरे जीवन में एक परीक्षा आई- पुराने संस्कार यानी गुस्सा और देहाभिमान पूरी तरह खत्म नहीं होने कारण पुराने दोस्तों से ही झगड़ा हो गया। मेरे कारण उनको गंभीर रूप से घायल अवस्था में अस्पताल के आईसीयू में भर्ती करवाना पड़ा। उसके बाद मेरे ऊपर हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज हो गया। इससे छह मास हिसार सेंट्रल जेल में बिताने पड़े। जेल के अंदर पहले से शिव बाबा का गीता पाठशाला चल रहा था। इससे खुद में काफी सुधार करने के लिए और पुरषार्थी जीवन जीने में मदद मिली। जेल से बाहर आने के बाद हमने अपना शहर छोड़ दूसरे शहर जाने का निश्चय किया। मुकदमा खत्म करने के लिए पूरी रात राजयोग तपस्या की और फिर शिव बाबा ने मदद करवाई। अगले ही दिन कुछ लोगों के साथ पंचायत बैठाया गया और आपस में राजीनामा हो गया। उसके बाद हमारे ऊपर से सब मुकदमे खत्म हो गए।

धीरे-धीरे अभ्यास से और परमात्मा की मदद से कई कीर्तिमान स्थापित कर मशहूर होने लगा। बहुत से शहरों में कार्यक्रम किया और परमात्म सेवा के लिए अनेक युक्तियां निकालने लगा।

जितनी होगी काली अंधेरी रात उतना ही सवेरा उजियारा

लेकिन अंदर में एक संकल्प जो बचपन से ही था कि मशहूर होना ही है। वो संकल्प अब भी कभी-कभी उठता था। लेकिन उस संकल्प को अब मेडिटेशन सीखने के बाद सही दिशा और दशा मिल रही है।

इस दौरान गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर ब्रह्माकुमारी रानी बहन के कार्यक्रम में जाने का सुअवसर प्राप्त हुआ। वहां हमने रानी दीदी को चोटी से ट्रक खींचते हुए देखा तो बहुत आश्चर्य हुआ और रोंगटे खड़े हो गए। जब कार्यक्रम समाप्त हुआ तब मैं रानी बहन से मिला और पूछा कि क्या मैं भी जीवन में ऐसा कुछ कर सकता हूं? तब दीदी ने बोला कि आप अपने दांत से ट्रक खींचने का अभ्यास करो। हमने इस बात को हंसते हुए मजाक में उड़ा दिया और अपने शहर आ गया।

कुछ दिन बाद रानी दीदी से फोन पर फिर से बात हुई तब दीदी ने मुझसे बोला कि हनुमान जी आपका अभ्यास कैसा चल रहा है? तब हमने बोला कि दीदी ये तो असम्भव कार्य है। तब दीदी ने बोला कि आपने बिना अभ्यास किए कैसे कोई काम को असम्भव मान लिया? कोई भी कार्य असम्भव नहीं होता थोड़ा मुश्किल जरूर होता है। जितनी होगी काली अंधेरी रात उतना ही सवेरा उजियारा होगा। आज हार का हकदार है तू तो कल जीत का सेहरा भी तेरा ही होगा। यह सुन कर मन में हिम्मत, विश्वास और उमंग जगा।

अब शिव बाबा और ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का एहसान चुका सकूं

तब उसी दिन हमने अभ्यास करना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे अभ्यास से और परमात्मा की मदद से कई कीर्तिमान स्थापित किए। मैं धीरे-धीरे मशहूर होने लगा और इसी दौरान भारत और एशिया का रिकॉर्ड बनाया। बहुत से शहरों में कार्यक्रम किए और परमात्म सेवा के लिए अनेक युक्तियां निकालने लगा। तभी इसी दौरान एक जादूगर से भेंट हुई और जादू सीखने का अभ्यास करने लगा।

अब तक पूरे भारत वर्ष में तीन हजार से भी ज्यादा सफल जादू शो कर चुका हूं। इस शो के दौरान जादू शो में दो बार वर्ल्ड रिकार्ड बनाया। टीवी धारावाहिक अकबर-बीरबल में अभिनय किया। यूथ टैलेंट शो माउंट आबू में प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीवी रियल्टी शो टैलेंट वर्ल्ड में ग्रैंड फिनाले जीता और इनाम में कार जीती। भारतीय मैजिक जागृति संस्थान द्वारा आयरनमैन अवार्ड मिला। शिव बाबा की शक्ति ने पूरे देश में बहुत मशहूर कर दिया लेकिन अब मेरे जीवन का लक्ष्य है कि गांव-गांव, शहर-शहर जाकर अपनी कला से परमात्मा का परिचय दूं। शिव बाबा और ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का एहसान चुका सकूं।

खबर, एक नज़र

बीके राधा बहन को मिला ममता रत्न सम्मान

शिव आमंत्रण, लखनऊ, उप्र। बीके राधा बहन को उनकी अभूतपूर्व एवं अविस्मरणीय सामाजिक, राष्ट्रव्यापी सेवा व अमूल्य योगदान हेतु ममता चेरीटेबल ट्रस्ट लखनऊ के माध्यम से सीएमएस गोमती नगर के ऑडिटोरियम में सम्मानित जनप्रतिनिधियों की उपस्थिती में भारत सरकार के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा ममता रत्न सम्मान से विभूषित किया गया।

बीके प्रेमलता बहन सर्टिफिकेट ऑफ कमिटमेंट से सम्मानित

शिव आमंत्रण, मोहाली, पंजाब। कोरोना महामारी के चलते मानवता के लिए लोक कल्याण में अपना योगदान देने के कार्य के लिए पंजाब के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने सुख शांति भवन फेज-7 में आयोजित कार्यक्रम में राजयोगिनी बीके प्रेमलता बहन को सर्टिफिकेट ऑफ कमिटमेंट स्वीजरलैंड प्रमाण पत्र से सम्मानित किया। इस अवसर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड लंदन के राष्ट्रीय सचिव बीके डॉक्टर दीपक हरके ब्रह्माकुमारीज के रोपड़ की संचालिका बीके रमा, खरड की संचालिका बीके भावना व नम्रता तथा बीके अमन, बीके रसजीत, बीके मीना, बीके सुमन, बीके जसबीर सिंह व विनोद भाई भी मंच पर उपस्थित थे।

पुलिस ट्रेनिंग स्कूल कमांडेंट को मोमेंटो भेंटकर सम्मानित किया

शिव आमंत्रण, भरतपुर (राजस्थान)। सुरक्षा सेवा प्रभाग की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में ब्रजेश चौधरी, कमांडेंट पुलिस ट्रेनिंग स्कूल बांसी भरतपुर को ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित करते हुए बीके अस्मिता, बीके प्रवीणा, बीके मीनाक्षी, रिजर्व पुलिस लाइन भरतपुर में आयोजित कार्यक्रम में अभियान यात्री बीके अस्मिता, बीके प्रवीणा, बीके मीनाक्षी, बीके हेमराज को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित करते हुए भ्राता ब्रजेश उपाध्याय।

साक्षी-पन की राखी सदा बांधकर रखो तो सर्विस में सफलता मिलेगी!

संपादकीय

आध्यात्मिक बीमा कराएं, जीवन के साथ भी, जीवन के बाद भी

लोग बीमार पड़े या जीवन में कुछ अचानक हो जाए तो ऐसी स्थिति में संभलने के लिए या मदद के लिए लोग बीमा कराते हैं। जिसके लिए अलग-अलग स्कीम वाली बहुत सारी कंपनियां होती हैं। जो हर एक के लिए बीमा करने के लिए तैयार रहती हैं। परन्तु यदि कोई आपको इस जन्म के अलावा अगले 21 जन्म का इकट्ठा बीमा करा दें तो फिर कहना ही क्या है। वर्तमान समय इसी का है। यदि हम जीवन में राजयोग ध्यान और आध्यात्मिकता की शक्ति से संपूर्णता को प्राप्त कर लें तो आने वाले 2500 साल तक हम संपूर्ण स्वस्थ रह सकते हैं। कई बार देखा गया है कि शरीर की स्वस्थता का आधार मन भी है। मन जितना स्वस्थ होगा शरीर पर उसका गहरा प्रभाव पड़ता है। जब हम आध्यात्मिकता और राजयोग ध्यान से अपनी आत्मा को सतोप्रधान और विकारों से मुक्त बनाते हैं तो मन और बुद्धि भी सतोप्रधान स्वस्थ हो जाती है। जब आत्मा, मन और बुद्धि स्वस्थ होती है तो शरीर का हर एक अंग सही दिशा में सकारात्मक कार्य करता है। परमात्मा शिव वर्तमान समय में आत्मा को पवित्र बनाकर 2500 वर्षों के लिए शरीर और आत्मा की स्वस्थता का ज्ञान दे रहे हैं। इसलिए हम चाहें तो अभी अपने मन और आत्मा को पवित्र बनाकर अपने आपको विकारों और बुराईयों से मुक्त बना सकते हैं। मन, बुद्धि और आत्मा को शुद्ध और पवित्र बनाने का यह सही समय है। परमात्मा इसके जरिए 2500 साल का बीमा करने का ऑफर दे रहे हैं। इसलिए अभी नहीं तो कभी नहीं। परमात्मा 2500 वर्ष सुखी-संपन और स्वस्थ बनाने का मंत्र वर्तमान में मनुष्य आत्माओं को दे रहे हैं। इसका लाभ लेकर, अपना जीवन धन्य बनाएं।

बोध कथा/जीवन की सीख

विश्वास की शक्ति

शिक्षा- परमात्मा जो हमारे पालनहार हैं। हमें भी उन पर इतना अटूट विश्वास रखना चाहिए।

परमात्मा पर इतने अटूट विश्वास से कोई भी कार्य असंभव नहीं होता और सभी कार्य पूर्ण हो जाते हैं...

रात के ढाई बजे थे। एक सेठ को नींद नहीं आ रही थी। वह घर में चक्कर पर चक्कर लगाये जा रहा था पर चैन नहीं पड़ रहा था। आखिर थक कर वह घर से नीचे उतर आया। अपनी कार निकाली और शहर की सड़कों पर निकल गया। रास्ते में एक मंदिर दिखा तो सोचा थोड़ी देर इस मंदिर में जाकर भगवान के पास बैठता हूँ। प्रार्थना करता हूं तो शायद मन को शांति मिल जाये। वह सेठ मंदिर के अंदर गया तो देखा, एक दूसरा आदमी पहले से ही भगवान की मूर्ति के सामने बैठा था। उसका चेहरा उदास था परंतु आंखों में करूणा और आस दिख रही थी। सेठ ने पूछा- "क्यों भाई इतनी रात को मन्दिर में क्या कर रहे हो?" आदमी ने कहा- "मेरी पत्नी अस्पताल में है, सुबह यदि उसका ऑपरेशन नहीं हुआ तो वह मर जायेगी और मेरे पास ऑपरेशन के लिए पैसे नहीं हैं"। उसकी बात सुनकर सेठ ने, जेब में जितने रूपए थे वह उस आदमी को दे दिए। अब गरीब आदमी के चहरे पर चमक आ गई थी। सेठ ने अपना कार्ड उस आदमी को देते हुए कहा- इसमें मेरा फोन नबर और पता भी है। अगर और पैसों की जरूरत हो तो निःसंकोच बताना।

उस गरीब आदमी ने कार्ड सेठ को वापिस देते हुए कहा-"मेरे पास उसका पता है " इस पते की मुझे जरूरत नहीं है सेठजी। आश्चर्य से सेठ ने कहा- "किसका पता है भाई"? उस गरीब आदमी ने कहा- "जिसने रात को ढाई बजे आपको यहां भेजा उसका"। उस गरीब आदमी का परमात्मा पर इतना दृढ़ विश्वास था कि रात को ढाई बजे भी उसकी आवश्यकता अनुसार पैसे स्वयं उस तक पहुंच गए।

पूज्य स्वरूप में आत्मिक पवित्रता और आराध्य भाव

जीवन का मनोविज्ञान भाग - 42

डॉ. अजय शुक्ला
बिहेवियर साइंटिस्ट, गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल
ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्प्रिचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

- सद्गुणों की आत्मिक अनुभूति का नैसर्गिक स्वरूप
- जीवन में आत्मा के देवत्व का स्थायित्व

ईश्वरीय सत्ता के प्रति अनुराग का आराध्य भाव सद्गुणों की आत्मगत अनुभूति को नैसर्गिक स्वरुप द्वारा आत्मा, स्वमान और स्वभावगत सम्पूर्ण पवित्रता से पूज्य अवस्था का निर्माण करती है। आत्मा की उच्चता को स्वीकार करने से ही पुण्य कर्म के साथ महानता विकसित होती है और धर्मात्मा के व्यावहारिक आचरण द्वारा देवात्मा स्वरुप में रूपांतरित हो जाती है।

सद्गुणों का भाव एवं विचार पक्ष आत्म वैभव को प्रकट स्वरुप में अभिव्यक्त करके जीव को पवित्रता से सराबोर अनुभूति में गतिशील करता है जो महानता का प्रामाणिक बोध है। चेतना का चिंतनशील दायित्व व्यवहार मनुष्य जीवन को पुरुषार्थ हेतु श्रेष्ठ साधन के रूप में अनुभूत होता है और सदा मनुष्यता को संवेदनशीलता के सानिध्य में बनाए रखता है। आत्म ज्ञान में श्रध्दा मानवनिष्ठ व्यवहार को परिष्कृत करके आस्था को जन्म देती है जो नैसर्गिक मान्यता में परिवर्तित होकर कर्मनिष्ठा के पवित्र स्वरुप में स्थापित हो जाती है।

आराध्य भाव की गरिमा का समृद्धशाली पक्ष: कर्तव्यनिष्ठ अवस्था की ओर प्रस्थान करना आत्मा का धर्म है जो साधक एवं साध्य के मध्य एकाकार भाव की परिणिति से आराध्य की स्मृति को सदा समृद्धशाली रखता है। जीवन की गरिमा जब आत्मा के संस्कारगत परिष्कार द्वारा सृजित होती है तब आत्मिक शक्ति का अहसास हो जाता है और आत्मा पवित्रता को अनुभूति में स्वीकार कर लेती है। पूज्य स्वरुप की उच्चता जीवन की सत्यता से आत्मा एवं परमात्मा के जुड़ाव को सुनिश्चित करती है जिससे निजता की महानता को अक्षुण्य रखकर पुरुषार्थ करना सहज होता है। आत्मा का पवित्र तथा उच्चतम पक्ष श्रेष्ठता का धारणात्मक भाव है जिसमें आराध्य के प्रति भक्ति के साथ आत्मज्ञान की संपन्नता पूज्य स्वरुप की स्थापना द्वारा परिलक्षित होती है। निज कल्याण जीवन की अन्तर्मुखी यात्रा का परिचायक है जो आत्महित के मार्ग को प्रशस्त करते हुए गतिमान रहता है जिसके अंतर्गत पूज्य भाव की गरिमामयी स्थितियां सदा विद्यमान होती है।

पूज्य स्वरुप में आत्मिक पवित्रता की उत्कृष्टता: आत्मा की उच्चता का आधारभूत स्वरुप पवित्रता की उत्कृष्टता है जो पूजनीय होने के साथ अजर-अमर,अविनाशी, अचल, अडोल एवं स्थित प्रज्ञता के रूप में विराजमान रहते हैं। पूज्य स्वरुप में श्रेष्ठता का जीवंत प्रमाण निरंतर ईश्वरीय स्मृति है जो प्रकट भाव में सहज, सरल और विनम्रता की स्थायी पृष्ठभूमि के रूप में प्रस्फुटित होती है। जीवन की सर्वोच्च स्थिति के अंतर्गत आत्मा का व्यवहार जगत नैसर्गिक पवित्र अवस्था हेतु सदा पुरुषार्थ में गतिशील रहकर पूज्य स्वरुप की महानतम प्राप्ति को ही स्वीकार करता है। सद्गति का विराट पक्ष स्वदर्शन की प्रक्रिया को आत्मदर्शन के यथार्थ से सम्बद्ध करता है जिसमें स्वयं एवं ईश्वरीय सत्ता के प्रति निष्ठा की स्थितियां सन्निहित रहती हैं। कल्याणकारी स्वरुप का दिग्दर्शन निजी वैभव पूर्णता के लिए पुरुषार्थ पर बल देता है जो चेतना के परिष्कृत रूप को आत्मसात् करके उच्चता की प्राप्ति का मूलभूत आधार बनता है।

इष्ट रूप की स्मृति का उज्जवल अतीत: देवत्व के प्रति आत्मतत्व सदा इष्ट रूप की स्मृति में रहता है जिसके अंतर्गत अतीत की सतोप्रधानता एवं वर्तमान की मदद और अनंत की श्रेष्ठ अनुभूति रहती है। आराध्य भाव की पवित्रता आत्मा के मूल स्वभाव का सद्गुण है जिसमें श्रद्धा का संयोग सहजता से सम्बद्ध हो जाता है और पूज्य स्वरुप की स्थितियां प्रकट होती हैं। परमसत्ता की अनुभूति का विराट स्वरुप ही देवत्व के पवित्र एवं आराध्य की अवस्था को सम्पूर्णता की ओर अग्रसर करता है जो पूज्य स्वरुप बनने का आधार है। नैसर्गिकता का प्रवाह परमात्म शक्ति से अवतरित होकर देवत्व के पूज्य स्वरुप द्वारा आत्मतत्व को पवित्रता की स्वाभाविक सम्पन्नता में परिवर्तन है जिसे जीवन की दुर्लभता से स्वीकारा जाता है। सतोप्रधानता से मनुष्य जीवन की मबद्धता बढ़ती है जिसमें इष्ट की स्मृति का उज्जवल अतीत अनुभूति में उच्चता से परमसत्ता की सम्पूर्ण पवित्रता को आत्मसात कर लेता है ।

ब्रह्माकुमारीज़ में मिला सत्य ज्ञान, अब रोज परमात्मा शिव से मंगल मिलन मनाता हूं: संत रामाधार दास

मेरी कलम से

रामाधार दास
गृहस्थ संत,
इंदौर, मध्यप्रदेश

- संत बोले- हमारे माध्यम से सैकड़ों लोग यहां ब्रह्माकुमारीज से जुड़ गए

मैं भारतीय संस्कृति और भारतीय सभ्यता पर देश-विदेश में प्रवचन करता हूं। वर्ष 2006 में ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान से जीवन में नया मोड़ आया। परमपिता परमात्मा का सत्य ज्ञान पाकर मेरा जीवन बदल गया, तब से राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कर रहा हूं। परमात्मा को पाने के लिए शास्त्रों, पुस्तकों का अध्ययन किया। लेकिन मन में उमड़ रहे प्रश्नों के जवाब नहीं मिल सके। कोई सही रास्ता नहीं मिला। लेकिन यहां परमात्मा का सत्य ज्ञान पाकर और परमात्मा से मन के तार जोड़ने से धीरे-धीरे परिवर्तन होने लग गया। बहुत कुछ हमने सीखा और एक सही रास्ता परमात्मा से मिलने का मुझे मिल गया।

निरंतर बाबा का ध्यान ज्योति बिन्दु, प्रकाशमय, बाबा का ध्यान निरंतर करता रहता हूं। उससे पर्सनालिटी में भी विकास हुआ और नए-नए तमाम अनुभूतियां हुईं और उन अनुभूतियों को भी लोगों को सुनाते रहते हैं, वो प्रभावित होते हैं। हमारे माध्यम से सैकड़ों लोग यहां जुड़ गए। बाबा ये आपने बहुत अच्छा इस स्थान से जोड़ दिया। मुझे ज्ञान मिला और मैं ज्ञान मार्ग पर चल करके अपना जीवन सुखी और समृद्धि बना रहा हूँ। मैं यहाँ के दादी दीदियों से बहुत प्रभावित हूं। उनका जीवन मुझे अनुकरणीय और शान्तिमय प्रतीत होता है। मैं भारत सरकार से रिटायर्ड ऑफिसर और रिटायरमेंट के बाद मैं आध्यात्म जगत में आ गया। मैं 2000 में रिटायर हुआ था और उसके बाद स्प्रिचुअल जगत में आ गया। अब मैं बाबा के साथ पूर्ण निष्ठा से जुड़ा हुआ हूं।

यह अनोखा और जीवन जीने की कला सिखाने वाला ईश्वरीय विश्व विद्यालय हैं। मैंने जीवन में बहुत पूजा, ध्यान, अनुष्ठान किया लेकिन वैज्ञानिक और एक सही सच्चा मार्ग नहीं मिला। यहां आने के बाद बिल्कुल केंद्रित हो गया और अभी इस जीवन में जीवन समाप्त हो जाएगा। मैं पहले मां की भक्ति करता था। मुझे जीवन में बहुत शांति और सुख मिला और ये शांति अमूल्य है। मैं इसी के सहारे चल रहा हूँ। अब शांति का बिल्कुल सच्चा भारत के मांग मिल गया। शांति का सही रास्ता यही है। इसी से ही शांति प्राप्त हो सकती है। बाकी भटकते रहे, कुछ देर के लिए शांति मिल गई कहीं तो उसमें कुछ आनंद नहीं मिलता। यह ईश्वरीय ज्ञान का विश्व विद्यालय हैं। हमारा निश्चय है कि यहां जो ज्ञान है वह प्रमाणिक और सही रास्ता बताने वाला है। हम तमाम संप्रदायों में भटकते हैं और न तो कोई शांति मिलती है, न हीं सही रास्ता मिलता है। आप यहां आकर परमात्मा के प्रत्यक्ष दर्शन कर सकते हैं।

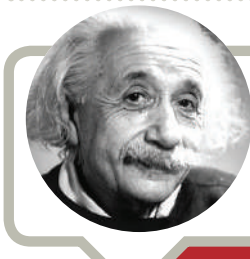

"जिंदगी जीने के दो तरीके हैं। पहला यह कि कुछ भी चमत्कार नहीं है, दूसरा यह कि दुनिया की हर चीज चमत्कार है।"

अलबर्ट आइंस्टीन महान वैज्ञानिक

"सफलता एक घटिया शिक्षक है। यह लोगों में इस सोच को विकसित करती है कि वो असफल नहीं हो सकते।"

बिल गेट्स, कंपनी संस्थापक

अव्यक्त प्रेरणाएं

दादी गुलजार (हृदयमोहिनी)
पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

सबके प्रति एक ही संकल्प हो- मैं विश्व कल्याणी आत्मा हूं

शिव आमंत्रण, आबू रोड । इतनी बाबा ने हम पर मेहनत की वह व्यर्थ थोड़े ही जाएगी। लेकिन मनोबल बढ़ाने के लिए पहले मन को दूसरी बातों से फ्री रखो। अभी-अभी ज्ञान का मनन करेंगे फिर व्यर्थ सोचेंगे-ऐसा मन नहीं होना चाहिए। साइन्स वालों के पास जो बल है उसकी विशेषता भी एकाग्रता है, यहाँ-वहाँ मन नहीं है। अगर हमारे में एकाग्रता नही है तो मनोबल कभी भी काम नहीं कर सकता। बाबा ने वर्ल्ड मेडिटेशन क्यों रखा है? सभी बच्चों का एक ही संकल्प हो। एक संकल्प, ये मन की अंगुली गोवर्धन पर्वत के लिए देनी है। मन में अगर एक ही संकल्प है तो क्या नहीं हो सकता है? अभी तो हमारे पास साधन भी हैं, समय भी है, लेकिन लास्ट में सेवा है मनोबल की। तो मनोबल की सेवा कैसे करेंगे? इसके लिए एकाग्रता का एक ही संकल्प हो, कोई भी सम्बंध-सम्पर्क में आए चाहे ब्राह्मण हो, चाहे अज्ञानी, सूक्ष्म में विश्व की आत्माएं हों, सबके प्रति एक ही मन में संकल्प हो 'मैं विश्व कल्याणी आत्मा हूँ'। मेरा आक्यूपेशन है-विश्व कल्याणी, विश्व परिवर्तक। जो मेरा आक्यूपेशन है उसका लक्ष्य मन को पक्का दो। हमारे सामने विश्व की आत्माओं के कल्याण का लक्ष्य हो, तो मन इधर-उधर जाएगा ही नहीं। साइड सीन तो आएगा लेकिन इधर-उधर बुद्धि गयी तो लक्ष्य तक पहुँच नहीं सकते हैं। काम करते चाहे कितने भी बीजी हो, बीच-बीच में लक्ष्य को दोहराओ। मानो मैने लक्ष्य रखा कि मैं मनोबल द्वारा विश्व में शान्ति के वायब्रेशन फैलाउंगी, अभी काम-काज में बिजी हो गयी, मन उसमें लग गया। मैं खुद ही उसके वातावरण में आ गयी। तो बीच-बीच में चेकिंग चाहिए, क्योंकि 63 जन्मों के संस्कार हैं मन को भागने के। इसको अभ्यास से चेंज करना है, तब तो आपका मन एकाग्र होगा और मन में जो शक्तियां मर्ज हैं वो इमर्ज होंगी फिर हम मनोबल से जो सेवा चाहते हैं वो कर सकते हैं।

मन को तो आदत है इधर-उधर भागने की। अगर भागता हो तो उसकी लाइन चेंज करो, उसके लिए कोई स्थूल साधन भी भले अपनाओ। कोई भी दूसरा काम करो। गीत सुनों, मुरली पढ़ो, ज्ञान सिमरण करो, फोन करके ज्ञान की बातें सुनो...जो आपकी पसंद हो, लेकिन मन को व्यर्थ से भाव-स्वभाव से खाली करने कोशिश करो। मन में अपने लक्ष्य के सिवाय कोई बात न हो। कोई कहता है मुझे ये यह बात सात दिन से सता रही है, अरे सात दिन से कोई बात सता रही है और सोचते हो कल बता देंगे, कल-कल करते अगर काल आ जाए तो!

जैसे हालीवुड एक्टर होते है तो उनके एक-एक अंग का इन्श्योरेंश होता है,उनका एक भी अंग अगर खराब हो गया तो कमाई क्या करेंगे! तो हम भी हीरो-हीरोइन पार्टधारी हैं, हमें समय को व्यर्थ नहीं गवाना है। हम अपने नपर सख्त नजर नहीं रखते हैं, इजी पुरूषार्थ हो गया। अलबेलापन आ गया है! बहुत सहज परमात्मां मिल गया है ना, तो सस्ती चीज की कभी कभी कदर कम हो जाती है।

क्रमशः..

... और बाबा ने ज्ञान समझाने की कला सिखाई

- विशेषकर कराची में बाबा ने चार प्रकार से मनुष्यात्माओं की ज्ञान-सेवा करने की ट्रेनिंग दी थी...

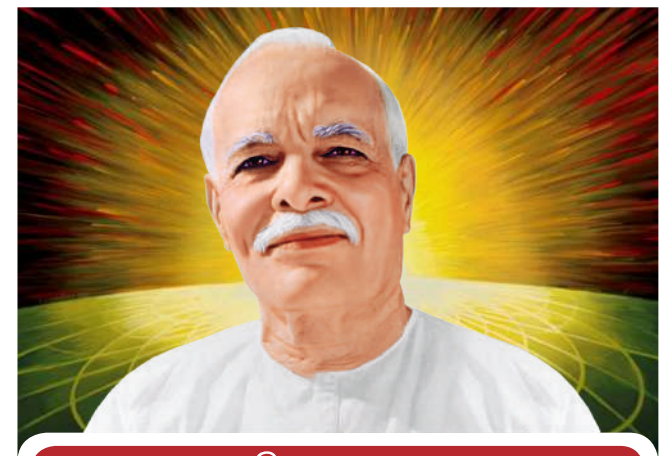

रियल लाइफ

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा
संस्थापक, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

अन्ध-श्रद्धा पर आधारित भक्ति से मनुष्य कैसे पतित होता आया है?

शिव आमंत्रण, आबू रोड । करांची में सागर-तट पर ज्ञान-सूर्य बादल अब आबू पर्वत पर आ गए थे। ऐसा लगता था कि अब वे शीघ्र ही बरसेंगे और विकारों से तप्त भारत को शीतल एवं हरा-भरा करने की सेवा पर तत्पर होंगे। ईश्वरीय सेवा के लिए प्रशिक्षण ब्रह्माकुमारी शांतिमणि जोकि ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन (आबू रोड) की संचालिका थी। उन्होंने लिखा है- यूं तो बाबा ने हैदराबाद और करांची में भी इस बात का प्रशिक्षण दिया था कि नये जिज्ञासुओं को कैसे समझाना है और क्या समझाना है। विशेषकर करांची में बाबा ने चार प्रकार से मनुष्यात्माओं की ज्ञान-सेवा करने की ट्रेनिंग दी थी। एक तो बाबा ने 'रूप' और 'बसन्त' के बीच संवाद बनाने अथवा ब्रह्माकुमारी और 'भूला-भाई' के बीच वार्तालाप बनाने की ट्रेनिंग दी थी। मनुष्य के जीवन में ईश्वरीय विद्या की अथवा स्वयं को जानने की कितनी आवश्यकता है। पवित्रता रूपी धर्म का पालन कितना ज़रूरी है', 'आत्म-निश्चय' के बिना 'मनुष्य-जीवन कैसे पशु-तुल्य अथवा कौड़ी-तुल्य है। 'आने वाले महाविनाश से पहले ही भविष्य के लिए तोफा-तोशा बनाना कितना आवश्यक है। अन्धश्रद्धा पर आधारित भक्ति से मनुष्य कैसे पतित होता आया है। ऐसे-ऐसे विषयों पर संवाद बनाए गए थे। ये संवाद अथवा वार्तालाप छपवाकर अथवा साइक्लोस्टाइल करवाकर मंत्रियों तथा अन्य व्यक्तियों को निःशुल्क भेजे गए। इनसे यज्ञ-वत्सों को एक प्रकार से यह ट्रेनिंग मिल गई थी कि भूले भाई अथवा अज्ञानियों द्वारा कौन-सा प्रश्व पूछने पर क्या उत्तर दिया जाए। जिज्ञासुओं के प्रश्नों को सुनकर उन्हें ईश्वरीय ज्ञान समझाने की रूपरेखा स्पष्ट कर दी गई थी। दूसरे मन अथवा विकारों पर विजय कैसे प्राप्त करें?' जीवन की पहेली को हल करने से कैसे विश्व के स्वराज्य की चाबी हमारे

हाथ लग सकती? आत्म-ज्ञान और परमात्म-ज्ञान में क्या अन्तर है? भारत का प्राचीन, ऊंचे से ऊँचा योग क्या है? हठयोग कर्म-सन्यास तथा सहज राजयोग सन्यास में क्या अन्तर है? एक सेकण्ड में मन को कैसे वश में किया जा सकता है? विश्व का अनादि वाईस्कोप अथवा ड्रामा कल्प-कल्प कैसे फिरता है? आने वाली महाभारी महाभारत लड़ाई कैसे एक गुप्त वरदान है और उसके पीछे कौन है? आदि-आदि विषयों पर भाषण करने की ट्रेनिंग भी दी जा चुकी थी।

इसके अतिरिक्त ग्रामोफोन रिकार्ड के गीतों को बजाकर उनका अलौकिक अर्थ में भी कोई बात करे तो यज्ञ-वत्स उस बात को मोड़कर उसे आध्यात्मिक विषय बना लेते। उदाहरण के तौर मान लीजिये कि एक गीत में यह पद है कि जब तुम आए तो खुशियां भी आईं, खुशियां भी आई... गाने वाले ने चाहे इसे लौकिक अर्थ से गाया हो परन्तु अब इसका आत्मिक दृष्टिकोण से यहाँ यह अर्थ लिया जाता कि आत्मा, परमपिता परमात्मा को कहती है कि हे बाबा! जब संसार में धर्म-ग्लानी हुई और आप आए तो मन की खुशी का ठिकाना न रहा।

इस प्रकार के अर्थ-अभ्यास से यज्ञ-वत्सों को यह ढंग आ गया कि वे मनुष्यों की सांसारिक बातों को मोड़ कर उन्हें भी आत्मिक चर्चा का रूप दे सकते थे और संगीत को लेकर उसका ऐसा कल्याणकारी अर्थ करके मनोरंजक तरीके से उन्हें ईश्वरीय ज्ञान दे सकते थे। इसके अतिरिक्त कल्प वृक्ष, सृष्टि-चक्र, रूद्रमाला और वैजयन्ती माला के चित्रों पर सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त के भेद समझाने, ज्ञान, भक्ति, वैराग्य के रहस्य स्पष्ट करने, परमपिता परमात्मा की जीवन-कहानी और अवतरण का समय समझाने की भी बाबा ने शिक्षा दी हुई थी।

क्रमशः..

प्रेरणापुंज

राजयोगिनी दादी जानकी
पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

आपस में रूहानियत भरा ईश्वरीय स्नेह हो तब ब्राह्मणों की माला तैयार होगी

मन अडोल-अचल रहने से बुद्धि स्थिर हो जाती है

शिव आमंत्रण, आबू रोड । स्नेह भरी एक अंगुली से सहयोग देने का ख्याल आया तो 4 अंगुली जो और तरफ जाती थी वह भी शान्त होकर बैठ गई। हम सब मिलकर करेंगे।

अगर ईश्वरीय सेवा में सच्चे सहयोगी हो तो एक-एक की विशेषता को देखो। हर एक में कोई विशेषता है, जिस कारण बाबा का बन गया। बाबा ने उसकी विशेषता को देखा। एक विशेषता ने और सब गुण लाये। पहले बाबा के बने तो ब्राह्मण बने, इस ऊँच कुल में आ गये। वैश्य शूद्र कुल से निकल गये। शूद्र गन्दे और वैश्य चिंता करते...उनसे निकल आये। बाकि बचे क्षत्रिय संस्कार, करूं न करूँ...बाबा कहता इसको भी छोड़ पक्के ब्राह्मण बनो। पक्का ब्राह्मण कैसा होता। पहले बनना है सच्चा, सच्चा ज्ञान है तो धारणा सच्ची अच्छी दिल से करो। कुल का नाम बाबा करने की लगन हो। ब्रह्मा मुख वंशावली हूँ, बाबा ने हमको कहां-कहां से चुनकर अपना बना लिया है। अन्दर से खुशी नशा चढ़ता जाता है। नशे में कितना भी काम करो तो थकेंगे नहीं। युद्ध के मैदान में जाने वाले शराब क्यों पीते हैं? मरने मारने के लिए तैयार। हमको अपने देश की रक्षा करनी है। नशे में आग से भी पार चले जाते। तो हमारे सामने भी कितनी बातें आयें, यह जो नशा है उससे पता भी नहीं चलता। कैसे पार हो गये। सूली से कांटा हो जाता। कुछ भी नहीं हुआ। जरा सा फीलिंग भी नहीं आई क्योंकि बाबा की सकाश, अन्दर की शक्ति काम करती है।

हम तत्वों को भी सतोप्रधान बनाने वाले है। वह तत्वों के पुजारी, भूत पूजारी हैं, हम परमात्म ज्ञानी, सच्चे योगी है। खुद को भी सतोप्रधान बना रहे हैं, प्रकृति तत्वों को भी सतोप्रधान बना रहे हैं। हर आत्मा भी सतोप्रधान बन करके सतयुगी सूर्यवंशी चन्द्रवंशी में आ जाए। मुख्य बात भूतों को याद नहीं करना है। देह-अभिमान में नहीं रहना है। अभिमान रूलाता है, स्वमान में इतनी शक्ति है जो सदा हर्षित रह सकते हैं। स्वमान में रहने के लिए सदा अपने आपको समझाते रहो।

माननीय क्वालिटी बनते जाओ। मान मांगो नहीं। कौन किस दृष्टि से देखते - यह नहीं सोचो। जो बाबा ने सिखाया है, बाबा ने जैसा चलाया है उसमें सन्तुष्ट हैं। तो यह अच्छा लगता है। बाबा ने स्मृति दिलाई, शुक्रिया बाबा। स्वदर्शन चक्र फिराने से कई कार्य सिद्ध हो जाते हैं, मन ठीक हो जाता है, बुद्धि राइट टाइम पर काम करती है। व्यर्थ संकल्प नहीं आ सकते। सतयुग में राजाओं का राजा पीछे बनेंगे अभी मन कर्मेन्द्रियों के राजा बनो। जो राजा बनता उसमें रूलिंग पावर के संस्कार होते। तो पहले अपने आप पर, मन कर्मेन्द्रियों पर कन्ट्रोल हो, शान्त स्थिर हों, चंचल नहीं। अडोल-अचल रहने से बुद्धि स्थिर हो जाती है। मन डोलायमान, चलायमान करता है। कन्ट्रोल करने से आदत छूटती है। मन देखते ही चलायमान हो जाता है। चीप क्वालिटी बन जाता है। अचल बनने वाला, अडोल रहने वाला, एकाग्रता की शक्ति से स्थिर रहने वाला सदा योगी, सबके साथ सहयोगी, मददगार बनकर रहने वाला ही सबकी दुआओं का पात्र बनता है। उसकी जीवन ही दुआयें लेने वाली है। दुआयें लो, दुआ दो। आपस में रूहानियत भरा ईश्वरीय स्नेह हो तब ब्राह्मणो की माला तैयार हो

बाबा तेरा बनने में सुख मिलता इलाही है- यह गीत कितना अच्छा है। इलाही शब्द के दो अर्थ हैं एक अल्लाह का सुख मिला है दूसरा इलाही माना अथाह (जिसकी कोई माप नहीं) इतना सुख इलाही मिला है। जब इस सुख का दिल में, मन में अनुभव करते हैं तो वह वर्णन करने से बाहर है। इतना ही संकल्प आ सकता है, कि ऐसा अपरम्पार सुख हर बाबा के बच्चे के पास कायम हो।

क्रमशः...

"एक हम दूसरा बाबा और तीसरे को देखते हुए भी न देखो!"

अगर हम उनकी हर बात को संयम से सुन लेंगे तो सामने वाला कभी झूठ नहीं बोलेगा।

जैसे बच्चों और माता-पिता के बीच एक खूबसूरत रिश्ता होता है, निःस्वार्थ भाव।

जीवन प्रबंधन

बी.के. शिवानी
जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ, अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर और ब्रह्माकुमारीज़ की टीवी ऑइकॉन गुरुग्राम, हरियाणा

शिव आमंत्रण, आबू रोड। आज कल तो हर बड़े शहरों के स्कूल में परामर्शदाता यानी काउंसलर नियुक्त किए जाते हैं। बच्चा जाकर उनसे अपनी हर बात करता है जो कि वह अपने मम्मी-पापा से नहीं करता है। क्योंकि काउंसलर निष्पक्ष होकर बच्चे की हर बात को आराम से सुनते हैं। हां जी बताओ क्या हुआ मुझे ये एडिक्शन हो गया, मुझे ये आदत हो गई मानो बच्चा अपना सबकुछ सुना देता है। काउंसलर बच्चे की किसी भी बात पर रिएक्ट नहीं करते हैं। काउंसलर कहते हैं, कोई बात नहीं, हर चीज ठीक हो सकती है। आप बैठो, ठीक करते हैं। मानो वह बहुत ही प्यार से बच्चे को आदर देकर समझाता है और उसकी कमियों को दूर करने का तरीका बता देता है। इससे एक तो आदर बना रहता है और दूसरा कि उसे अपमानित नहीं होना पड़ता है। जबकि माता-पिता का बच्चे से लगाव होता है तो वे प्रतिक्रिया कर देते हैं, कहते हैं- 'तुमने ऐसे किया कैसे, तुम्हें इसलिए स्कूल भेजा था, इसलिए मैं इतना खर्च कर रहा हूं, तुम्हारे लिए मैं इतनी मेहनत इसलिए कर रहा हूं। इतना सारा उस बच्चे को सुना देते हैं। फिर तो बच्चा आगे की पूरी बात बताता भी नहीं है।

अब जमाना बदल चुका है आज हर पैरेंट को अपने बच्चे के लिए काउंसलर बनना पड़ेगा। काउंसलर मतलब साक्षी होकर, शांति से उसकी हर बात सुनें, उनकी बातों को स्वीकार करें जो उन्होंने किया है उसके लिए राय दें। अगर उस समय अपने ऊपर संयम नहीं रखा तो हम खुद ही चिंता में चले जाते हैं, घबरा जाते हैं और फिर उनको अपमानित कर देते हैं। तो यह पक्का मान लें कि अगली बार वो अपनी कोई भी बात आपको बताने वाले नहीं है। जबकि होना तो यह चाहिए कि बच्चा अपनी हर बात पैरेंट्स के साथ शेयर करे। हर बच्चे को अपने माता-पिता से स्वीकार्यता (एक्सप्टेंस) ही तो चाहिए। अगर वो स्वीकार्यता उसको मम्मी-पापा से मिल गई, तो वो फिर अपने किसी दोस्त के पास जाने की जरूरत महसूस नहीं करेगा। अगर मम्मी-पापा से वो स्वीकार्यता नहीं मिली तो फिर दूसरों के पास चला जाता है। अगर उसको ये स्वीकार्यता अपने दोस्त से मिल गई तो वह अपने दोस्त के लिए कुछ भी करने के लिए तैयार रहता है। यहां तक कि वो उन चीजों के लिए तैयार रहता है जो उनको खुद अपनी मर्यादाओं में सही नहीं लगती हैं। उसको हम कहेंगे 'फियर प्रेशर। इसलिए हर घर में स्वीकार्यता मिल जाए तो कोई भी बच्चा कभी भी भय के प्रेशर में नहीं जाएगा। हमें उन बच्चों को सेफ रखना है। आप अपने बच्चों को कहेंगे कि आप अपनी हर बात मुझे बता सकते हैं। यह गारंटी देना चाहिए कि आप सुनाओगे तो मैं आपको डाटूंगा नहीं। मैं एक स्कूल में गई थी उसमें नवमी और दसवीं के 200 बच्चे थे। मैंने पूछा कि आपमें से कौन-कौन है जो अपनी हर बात मम्मी-पापा को जाकर सुनाता है। तो सिर्फ पांच बच्चों ने हाथ उठाया। मैंने कहा कि आप मम्मी-पापा को जाकर बोलो कि आप डांटोगे नहीं तो मैं अपनी हर बात आपको बताऊंगा। तो वो मुझ पर हंसने लगे और कहते हैं, दीदी कैसी बात करते हो आप। वो कहते हैं कि पहले हमारे पैरेंट्स हमारी हर बात को सुन लेंगे। उस समय तो वो कुछ नहीं कहेंगे लेकिन बाद में किसी भी बात पर डांटने के लिए हमारी बातों को ही यूज करेंगे। हम उनको जानते हैं वो भी हमें जानते हैं। चाहे बच्चे हों, चाहे कोई और हो, लोग सच अगर बच्चे आकर कुछ शेयर करते हैं तो शांति से उनकी हर बात सुनें। उन्हें किसी भी बात के लिए दोषी न ठहराएं।

बोलने के लिए तैयार हैं। तो हमें भी सच सुनने के लिए तैयार रहना चाहिए। अगर हम उनकी हर बात को संयम से सुन लेंगे तो सामने वाला कभी झूठ नहीं बोलेगा। हमारे रिश्ते अपने आप मधुर और मजबूत हो जाएंगे। फिर उन्हें कोई भी बात आपसे छुपाने की आवश्यकता महसूस नहीं होगी। अगर आपके बच्चे आकर आपसे कुछ शेयर करते हैं तो आप शांति से उनकी हर बात को सुनें। उन्हें किसी भी बात के लिए दोषी न ठहराएं। वो जिस समाज में अभी बड़े हो रहे हैं और हम जिस समाज में बड़े हुए थे, दोनों में बहुत फर्क आ चुका है। तब के नॉर्मल और अब के नॉर्मल की परिभाषा बदल चुकी है। हमें प्यार से उनको राय देनी है लेकिन पहले उनकी हर बात को मानकर रिश्ते को मजबूत बनाना होगा।

माइंड पॉवर ऑफ YOUTH

राजयोग मेडिटेशन, मूल्य शिक्षा को जीवन में अपनाकर आज हजारों युवाओं के जीवन को नई दिशा मिली है...

राजयोग मेडिटेशन से स्वस्थ और निरोगी हो गया

शिव आमंत्रण, आबू रोड। बारहवीं पास कर चुका हूं। पहले मुझे गठिया रोग होने से चलना मुश्किल हो गया था। दो महीने स्कूल में नहीं गया। क्षेत्र के सभी डॉक्टर्स ने बोला कि आप कभी ठीक नहीं हो सकते। करीब 2 लाख रुपये खर्च हो चुके थे। मेरी माँ रोज ब्रह्माकुमारीज सेंटर जाती थीं। वहां से आकर मुझे परमात्म महावाक्य सुनाकर मेडिटेशन करवाती थीं। इससे मैं परमात्मा की तरफ बढ़ने लगा। धीरे-धीरे योग करने लगा। योग में परमात्मा मेरा डॉक्टर है, मैं स्वस्थ हूं, निरोगी हूं। ऐसे-ऐसे शुद्ध संकल्प करते हुए मेडिटेशन करता। योग का प्रभाव 15 दिनों में ही पता चल गया और करीब दो माह में पूरी तरह से ठीक हो गया।

चेतन शर्मा, पूण्डरी, कैथल, हरियाणा

मेडिटेशन से एकाग्रता की शक्ति बढ़ गई

शिव आमंत्रण, आबू रोड। डी-फार्मेसी की पढ़ाई पढ़ रहा हूं। पहले मैं कुछ भी पढ़ता था तो याद नहीं होता था। परीक्षा हॉल में जाने से घबराहट की वजह से भूल जाता था और कई सारे सब्जेक्ट होने से टेंशन के साथ परेशान रहता था। तब मेरी एकाग्रता बहुत ही कमजोर थी। परन्तु जब से निरंतर राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास किया। तो यादशक्ति, एकाग्रता और परखने की शक्ति में अद्भुत बढ़ोतरी हो गई। अब आसानी से याद हो जाता है। अभी कोई भी परीक्षा में आत्मविश्वास से भरपूर तनावमुक्त होकर बिना घबराहट के आसानी से सफल होता हूं। विद्यार्थियों से अपील करूंगा कि ब्रह्माकुमारीज़ राजयोग केंद्र से संपर्क कर राजयोग अवश्य सीखें।

शिव कुमार ठक्कर, हारिज, पाटन, गुजरात

पिछले अंक से क्रमशः

अलविदा डायबिटीज

बीके डॉ. श्रीमंत कुमार
ग्लोबल हॉस्पिटल, माउंट आबू

डायबिटीज के दुष्प्रभाव

शिव आमंत्रण, आबू रोड। ईश्वर की सबसे बड़ी सौगात है हमारी आंखे। कहावत है 'आंखें हैं तो जहान है।' क्या आपको पता है कि डायबिटीज अगर लम्बे समय तक अनियन्त्रित रहती है तो उसका दुष्प्रभाव हमारी आंखों पर पड़ सकता है। दुनिया में अंधापन (Blindness) का मुख्य कारण मोतियाबिन्द (Cataracts) है। परन्तु दूसरा मुख्य कारण डायबिटीज है। आज कितने सारे डायबिटीज के दुष्प्रभाव के कारण दृष्टिहीन हैं। लगभग 30-40% डायबिटीज मरीजों के आंखों पर डायबिटीज का असर तो हो ही जाता है।

तो आईये हम देखते हैं कि डायबिटीज का हमारी आंखों से क्या संबंध है?

हम पहले से ही चर्चा कर चुके हैं कि डायबिटीज केवल एक शुगर की बीमारी ही नहीं है, बल्कि यह हमारी सारी रक्त नलिकाओं को भी प्रभावित करता है। जब छोटी-छोटी रक्त नलिकाओं पर प्रभाव पड़ता है तो ब्लॉकेज (BLOCKADE) शुरू हो जाता है और परिणाम स्वरूप हमारे गुर्दे, हाथ पांव के स्नायू तथा आंखों पर असर दिखाई देता है जिसे मेडिकल भाषा में NEPHROPATHY, NEUROPATHY, RETINOPATHY कहा जाता है और इन सबको MICROVASCULAR COMPLICATIONS कहा जाता है। शुरूआत में जब रक्त की मात्रा बहुत बढ़ जाती है तो शुगर हमारी ऑखों के LENCE के अनदर प्रवेश कर जाती है। और साथ-साथ पानी भी, जिसके कारण LENCE में सूजन आ जाता है और मरीजों को धुंधला (BLURRING) दिखाई देता है। ऐसे समय पर अधिकांश लोग आंखों की चेकिंग कर अपने चश्मां का नम्बर ही बदल लेते हैं। परन्तु जैसे ही सही उपचार के कारण रक्त में शुगर की मात्रा सामान्य रहने लगती है तो फिर वह चश्मा बेकार अनुभव होने लगता है। क्योंकि LENCE की सूजन कम हो जाने से नम्बर पुनः बदल जाता है। इसलिए सदैव ध्यान रखें कि जब भी रक्त में शुगर की मात्रा ज्यादा है अर्थात् डायबिटीज नियंत्रण में नहीं है, कभी भी अपना चश्मा नहीं बदलें। पहले तो सही उपचार द्वारा अपना ब्लड शुगर को नियंत्रण में लाए अर्थात् सामान्य रखें। दो से तीन महीने तक अगर शुगर की मात्रा सामान्य है और फिर भी देखने में कुछ समस्या महसूस हो रहा है तो अवश्य ही चक्षु विशेषज्ञ से परामर्श करें और वे अगर चश्मा बदलने की राय देते हैं तो ही बदलें। अगर किसी का डायबिटीज लम्बे समय तक अनियंत्रित है। इसका दुष्प्रभाव आंखों पर तो पड़ता ही है। आंखों की पलकों में बार-बार फोड़े निकल सकते हैं। आंखों की गहरी परतों पर भी INFECTION हो सकता है। ऑखों की नस (NERVL) पर असर हो कर पलकों पर DROOSING हो जाती है। मरीज फिर आंखें खोलकर देखने के लिए असमर्थ अनुभव करता है।

किन्तु दुष्प्रभाव आंखों के अन्दर परदे (RETINA) पर हो जाता है तो इसे RETINOPATHY कहा जाता है। शुरूआत में कुछ भी लक्षण देखने मे नहीं आ सकता है अर्थात मरीज को कभी अनुभव नहीं होता है। परन्तु धीरे-धीरे आंखों के सामने काले बादलों की तरह छाया दिखाई देगी। फिर अंत में रक्त स्राव होकर व्यक्ति बिल्कुल अंधा हो जाता है।

कुछ मरीजों की आंखों का प्रेशर बढ़ जाता है। परिणामतः काला पानी (GLAUCOMA) हो जाता है। फिर मरीज आंखों में बहुत दर्द अनुभव करता है और सही उपचार न होने से अंधा हो जाता है। दुष्प्रभाव से बचने के उपाय-

1- अपना ब्लड शुगर नियंत्रित रूप से चेक कराते रहें। महीने में कम से कम एक दिन अवश्य चेक कराएं। 24 घंटा शुगर नियंत्रण में रहा है या नहीं इसको जानने के लिए एक दिन में चार बार अवश्य चेक कराएं। फास्टिंग और नास्ता, दोपहर का भोजन तथा रात्रि भोजन के बाद भी अवश्य चेक कराएं। फास्टींग शुगर 100 मिग्रा के आस पास होना चाहिए और खाने के बाद150 मिग्रा के नजदीक। हर तीन महीने में HLAIC TEST अवश्य कराते रहें। 7% अथवा उससे कम होना अच्छी निशानी है।

2- ब्लड शुगर के साथ-साथ ब्लड प्रेशर तथा कोलेस्ट्रॉल अवश्य चेक कराते रहें। अगर BP अनियंत्रित है आंखों के परदे पर HIGH BLOOD SUGER GJHGHJGHJGJ असर हो सकता है और व्यक्ति अंधा भी हो सकता है।

3- साल में एक बार अपना EYE SURGEON से परामर्श कर अपनी आंखों का परदा का चेक अवश्य कराते रहें।

4- आंखों में तकलीफ अनुभव होने से तुरंत अपरामर्श अवश्य लें।

संपर्कः बीके जगतजीत मो. 9413464808 पेशेंट रिलेशन ऑफिसर, ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, माउंट आबू, जिला- सिरोही, राजस्थान

समस्या समाधान

ब्र.कु. सूरज भाई
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक

अपने श्रेष्ठ भाग्य को याद करके मन को आनंदित कर दें

पिछले अंक से क्रमशः

अपना संस्कार परमात्मा पिता समान बनाना है

प्रभु पालना में पलने वाली हम बहुत महान, बहुत भाग्यवान आत्मायें हैं। बाबा कहते हैं, बच्चे जरा सवेरे से रात तक देखो बाप तुम्हारी पालना कर रहे हैं। कोई मनुष्य गरीबी में पलता है, कैसा जीवन रहता है? कोई साधारण परिवारों में पलता है। चाहते हुए भी नहीं पड़ पाते, कैसा रहता है? कोई साहूकारों के घर पलता है। कोई राजाओं के घर। सबके अंदर को हम जानते हैं। और हम पल रहे हैं भगवान की पालना में। सवेरे बाप तुम्हें उठाता है और उठाते भी क्यों हैं? कहते, आओ बच्चे, मैं तुम्हें चार्ज कर दूँ, तुम्हें भरपूर कर दूं। फिर पढ़ाने आते हैं। सारे मन का अंधकार संशय मिटा डालता है। स्मृति दिलाता है। रोज याद दिलाता है। तुम चिंता मत करो, मेरे को तेरे में बदल दो, बेफिक्र बादशाह बन जाओ। रोज याद दिलाता है- मैं हजार भुजाओं सहित तुम्हारे साथ हूँ, फिर ब्रह्माभोजन खिलाते हैं। रात को सुलाने आते हैं। बाबा ने कहा- कोई बच्चा दुःखों में आंसू बहाते हैं, तो वो उनके आंसु पोंछने आता है। सारा दिन साथ रहता है। बाबा कहते हैं- जब भी बच्चे बुलाते हैं, मैं आ जाता हूँ, छत्रछाया बन जाता हूं, मदद करता हूं। सोचो भगवान के केयर में चल रहे हैं हम सब।

अपने श्रेष्ठ भाग्य को याद करके मन को आनन्दित कर दें और संकल्प करें- उनके पालना का रिटर्न हमें देना है। स्वयं के जीवन को बहुत श्रेष्ठ बनाकर, हमें बाप समान बनना है, हमें अपने संस्कारों को बदल देना है। हमारा संस्कार पवित्रता का है। दूसरों को सुख देना, दूसरों को मदद करना, उन्हें शुभ भावना और शुभ कामना देना हमारा संस्कार है। स्वचिंतन करना हमारा संस्कार है। परचिंतन करना नहीं। न ईर्ष्या द्वेष, न तेरे-मेरे की है। न टकराव की है और न क्रोध अभिमान की है। अपने संस्कारों को चेक करें। यदि हमें बाबा का नाम रोशन करना है, यदि हमें बाबा को प्रत्यक्ष करना है तो उन जैसे संस्कार बनाने ही पड़ेंगे। ताकि हमें देखकर लोग समझ लें इनका बाप कैसा रहा होगा। कैसा होगा हमारा दिव्य संस्कार। जो अनेक आत्माओं को हमारी ओर आकर्षित करेंगे। फिर हम उन्हें बाबा की ओर ले चलेंगे। चेक करना मेरा कौन-सा संस्कार मुझे कष्ट दे रहा है? या दूसरों को परेशानी में डाल रहा है? ऐसा तो नहीं मेरा तंग रहने का संस्कार है? या तंग करने का संस्कार है? ऐसा तो नहीं कटु वचन बोलने का संस्कार है? असत्य वचन कहने का संस्कार है? दूसरों को श्रापित करने का संस्कार है? जितना हो सके हर एक आत्मा के लिए दिल से दुआएं देते चलें। इसका भला हो जाए, इसका कल्याण हो जाए।

हम तो इष्ट देव-देवियां हैं। सबको वरदान देने वाले। सबको प्यार भरी दृष्टि देने वाले। हमारे संस्कार बाप जैसा होना ही चाहिए। वह समय जल्दी ही समीप आएगा। जिन्होंने अपना संस्कार ऐसा सुन्दर बनाया होगा, उन्हें देखकर अनेक मनुष्य को बाबा का साक्षात्कार होगा। उनके इष्ट देव-देवियों का साक्षात्कार होगा। तो आइये, आज सारा दिन इस स्वमान में रहेंगे, हम प्रभु पालना में पल रहे हैं, वो सदा हमारे साथ रहते हैं। उनकी छत्रछाया हमारे सिर पर है और आज विशेष अभ्यास करेंगे। अपने सामने अपने स्वरुप को देखेंगे और अपने को संकल्प देंगे- यह है मेरा असली स्वरूप। फिर अपने पूज्य स्वरुप को देखेंगे और संकल्प करेंगे... यह है मेरा असली स्वरूप। बस यह है मेरा असली संस्कार तो संस्कार बदल जाएंगे। हम बाप समान बन जाएंगे।

चित्रगुप्त कैसे रखते हैं हिसाब...

स्व-प्रबंधन

बीके ऊषा
स्व-प्रबंधन विशेषज्ञ, माउंट आबू

धर्म-ग्रंथों से ▸ ईमानदारी से जीवन जीएं, भगवान के घर में देर है पर अंधेर नहीं है। कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखें।

उन सबकी संतुष्टि के लिए भगवान ने चित्रगुप्त को बुलाया। उनके आने पर भगवान ने कहा- मृत्यु लोक के इन दोनों व्यक्तियों के हिसाब-किताब के चौपड़े-लेकड़े लेकर आओ। दोनों व्यक्तियों के हिसाब का चौपड़ा लाया गया। देखने पर मालूम पड़ा कि जो अभी बेईमान है वह पहले बहुत ही ईमानदार था। उसके ईमानदारी के फलस्वरूप उसको बहुत प्रालब्ध मिलनी थी। उसने इतने अच्छे कर्म किये थे, इतनी ईमानदारी रखी थी कि बहुत बड़ा भाग्य उसको प्राप्त होना था। लेकिन उसके भाग्य प्राप्ति से पहले अन्तिम परीक्षा आई। उस परीक्षा के आने पर उसका धीरज समाप्त हो गया और वहां से उसने अपने जीवन का रास्ता बदल दिया और बेईमानी वाला जीवन अपना लिया और बेईमानी वाला जीवन अपनाने से उसे जो सारी प्रालब्ध पानी थी वो कम होते-होते इतनी कम हो गयी कि एक बटुआ ही मिला जिसमें केवल 1000 रुपये थे। जिसके लिए वह कह रहा था कि यह पैसे उसके नसीब का प्राप्त हुआ है। वैसे उसके नसीब में क्या था? बहुत बड़ी प्रालब्ध थी। लेकिन अन्तिम परीक्षा में ही उसका धैर्य खत्म हो गया और उसने बेईमानी का रास्ता अपना लिया। वहाँ से जो मोड़ आया उसके कारण उसकी सारी के सारी प्रालब्ध खत्म हो गयी। जो ईमानदार था उसका हिसाब भी निकाला तो देखा गया कि वह पहले बहुत ही बेईमान था, उसकी बेईमानी के कारण उसे बहुत कड़े से कड़ी सज़ा होने वाली थी। लेकिन सजा खाने के पहले उसको जीवन में सुधरने की अन्तिम मौका मिला। उसने वह मौका जीवन में उठा लिया। वहाँ से उसने अपने जीवन का सुधार लिया और बहुत सुन्दर ईमानदारी वाली जीवन शैली को अपना लिया। तो उसकी सारी सज़ा भी क्षीण होते-होते सिर्फ एक काँटा चुभने जितनी रह गई। उसे जो काँटा चुभा वह उसकी ईमानदारी का फल नहीं था लेकिन उसका पूर्व बेईमानी वाली जीवन की इतनी ही सज़ा शेष थी। बेईमान को जो हज़ार रुपया मिला वो उसकी बेईमानी का फल नहीं था लेकिन उसकी ईमानदारी का उतना ही पुण्य का फल जमा था जो उसे प्राप्त हो गया।

> जीवन में हर घड़ी जो कुछ भी कर्म होता है, कर्मों की गुह्य गति उसके साथ जुड़ी हुई होती है। हमारे जीवन का हिसाब रखने वाला चित्रगुप्त कौन है?

इसलिए कहा जाता है कि भगवान के घर में देर है पर अंधेर नहीं है। भगवान हर बुरे व्यक्ति को भी सुधरने का मौका देता है और हर अच्छे व्यक्ति की अच्छाई की परीक्षा भी लेता है। संसार में आज कई लोग कहते हैं कि बेईमानी से जीवन जीओ तो मौज करेंगे, लेकिन यह मौज थोड़े समय की है, क्योंकि जैसे ही पुण्य क्षीण हो जाएगा, उसके बाद की जो भोगना होगी, वो बहुत कड़ी होगी। इसी तरह यह नहीं समझना चाहिए कि जो काँटा चुभा वो ईमानदारी का फल है। इसीलिए कहा कि जीवन में हर घड़ी जो कुछ भी कर्म होता है, कर्मों की गुह्य गति उसके साथ जुड़ी हुई होती है। कैसे रखता है चित्रगुप्त करोड़ों मनुष्यों का हिसाब? अनेक लोगों के मन में यह सवाल उठ सकता है कि दुनिया में सात अरब से भी अधिक जनसंख्या है तो फिर चित्रगुप्त सबका हिसाब कैसे रखता होगा? चित्रगुप्त कभी हिसाब रखने में कोई गलती नहीं करते हैं, क्योंकि उनका हिसाब रखने का तरीका बहुत अच्छा है। हमारे जीवन का हिसाब रखने वाला चित्रगुप्त कौन है? चित्र + गुप्त कहने का भाव है कि चित्रगुप्त माना हमारे हर भाव, भावना, वृति और कर्म का गुप्त रुप से चित्र खींचा जाता है और वह अंत में सारे जीवन की एक फिल्म की रील की तरह पेश हो जाता है जिस कारण मनुष्य यह नहीं कह सकता कि यह कर्म मेरा नहीं है या यह बुरी वृति या भावना मेरी नहीं हैं।

हमारे जीवन में वही मिलता है जो हम हैं...

आध्यात्मिक उड़ान

डॉ. सचिन
मेडिटेशन एक्सपर्ट

अंतर्मन ▸ संदेह या चिंता से नकारात्मक विचार से अपना विश्वास कमजोर न करें...

प्रतिदिन कम से कम पांच मिनट मेडिटेशन जरूर करें...

आकर्षण के नियम का अर्थ यह नहीं है कि हमें वही मिलता है जो हम चाहते हैं, इसका अर्थ है कि हम वही पाते हैं जो हम हैं। हमें यह याद रखने की जरूरत है कि आकर्षण का नियम हमेशा काम करता है। ध्यान से सोचें, आपके विचार आपकी वास्तविकता को प्रभावित करते हैं।

आप जो हैं उसे प्राप्त करें

आकर्षण के नियम का मतलब यह नहीं है कि आप जो चाहते हैं उसे प्राप्त करें, इसका मतलब है कि आप जो हैं उसे प्राप्त करें। आप विचारों, गुणों, कौशल और आदतों के समूह हैं। आपको जो मिलने वाला है वह उनके अनुसार होगा।

ऊर्जाएं शुद्ध और सकारात्मक बनी रहतीं

जो ऊर्जा आप ब्रह्मांड में विकीर्ण करते हैं, वही आप अपनी वास्तविकता में प्रकट करते हैं। आप जो विकिरण करते हैं, उसमें आपके विचारों, भावनाओं और व्यवहारों की ऊर्जाएं शामिल हैं। आध्यात्मिक जीवन शैली का पालन करने से ये ऊर्जाएँ शुद्ध और सकारात्मक बनी रहती हैं।

जो आप दृढ़ता से विश्वास करते हैं, वही आप बन जाते हैं

यदि आप एक विचार बनाते हैं क्योंकि मैं एक शांतिपूर्ण प्राणी हूं लेकिन 4 बार आप गुस्सा का विचार बनाते हैं तो गुस्सा आना स्वाभाविक है। और फिर अगर बार-बार आपको लगता है कि मैं शांत हूं। लेकिन बाद में आप फिर कहते हैं कि बिना क्रोध के कुछ नहीं होता। आप जो भी अधिक बार सोचते हैं और दृढ़ता से विश्वास करते हैं, वही आप बन जाते हैं।

अपने सकारात्मक विश्वास को कमजोर न करें

आपके विचार ही आपके भाग्य का निर्माण करते हैं। उन्हें साफ करें और केवल उस वास्तविकता के बारे में सोचें जो आप चाहते हैं। संदेह या चिंता के एक भी नकारात्मक विचार से अपने सकारात्मक विश्वास को कमजोर न करें। अपने मनचाहे जीवन को प्रकट करने के लिए अपनी आंतरिक शक्ति को जागृत करें।

> प्रतिदिन के तनाव को, छोटे से मेडिटेशन से राहत दीजिए, जिससे आपके मन और शरीर दोनों को आराम मिलेगा।

रोजाना मेडिटेशन जरूर करें

अपने तनाव के स्तर को कम करने के लिए, प्रतिदिन कम से कम 5 मिनट मेडिटेशन जरूर करें। आज तनाव जीवन का सामान्य हिस्सा बन गया है, मगर इसकी अति आपको कुचल देगी। दिन प्रतिदिन के तनाव को, छोटे से मेडिटेशन से राहत दीजिये, जिससे आपके मन और शरीर दोनों को आराम मिलेगा। साधारण मेडिटेशन के लिए, आरामदेह पोज़ीशन में बैठिए, अपनी सांस पर फ़ोकस करिए और विचारों को आने और जाने दीजिये।

ऐसे विचार मन में लाइये कि चीजें कैसे ठीक हो सकती हैं

अपनी चिंताओं की जगह, ऐसे विचार मन में लाइये कि चीज़ें कैसे ठीक हो सकती हैं। चिंता आपसे वह प्रदर्शित करवा सकती है जिससे बचने का आप प्रयास कर रहे हैं। जब चिंता सामने आए, तब उसे यह कह कर चुनौती दीजिये कि उनके वास्तविकता में बदलने की संभावना कितनी है। फिर, सोचिए कि अतीत में जब आप चिंतित हुए थे तब क्या हुआ था। उसके बाद, सोचिए कि आप जिसकी चिंता कर रहे हैं अगर वह वास्तव में हो ही जाये, तो बुरे से बुरा क्या हो सकता है। आपको संभवतः एहसास होगा कि लॉन्ग-रन में यह कोई इतनी बड़ी बात नहीं है।

स्वयं को सेवा में बिजी रखो तो माया के वार से बच जाएंगे

संकल्पों का शरीर पर भी पड़ता है प्रभाव

पावरग्रिड कार्पोरेशन में तीन दिवसीय कार्यशाला संपन

कार्यशाला का उद्घाटन करते बीके तापोशी, बीके विपिन व अन्य।

शिव आमंत्रण, वाराणसी (उप्र)। पावरग्रिड कार्पोरेशन उत्तरी क्षेत्र में ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा वाराणसी के होटल क्लार्कस में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें देश के अनेक स्थानों से आए पावरग्रिड के मैनेजर्स और जनरल मैनेजर्स के लिए राजयोग एवं मैनेजमेंट ट्रैनर बीके तापोशी, राजयोगी बीके बिपिन ने सुखी स्वस्थ और खुशहाल जीवन के लिए राजयोग की उपयोगिता बताई।

बीके तापोशी ने अधिकारियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से सुखी स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने के कई टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मन से ही स्वस्थ तन का निर्माण होता है। हमारे सोच विचार और संकल्प हमारे शरीर के ऊपर विशेष प्रभाव डालते हैं। इसलिए हमें अपने संकल्पों को सकारात्मक और सशक्त बनाना होगा। संयमित और संतुलित जीवन के लिए राजयोग अपरिहार्य बताते हुए उन्होंने कॉमेंट्री द्वारा सभी को गहन शांति और आनंद की अनुभूति कराई।

जीवन में रिटायरमेंट के बाद आने वाली समस्याओं व चुनौतियों का समाधान करने में आध्यात्मिकता की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए राजयोगी बीके विपिन भाई ने कहा कि जीवन के प्रति नवीन दृष्टिकोण और भावनात्मक संतुलन बनाकर चलने से हम अनेक समस्याओं से मुक्ति पा सकते हैं । इसकी कला परमात्म प्रदत्त आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग द्वारा सहज सम्भव है। राजयोग के नियमित अभ्यास से मन शक्तिशाली बनता है।

पावर ग्रिड अधिकारियों द्वारा सभी वक्ताओं का स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। पावर ग्रिड के वरिष्ठ महाप्रबंधक एके राय ने आभार जताया। उत्तरी क्षेत्र के मानव संसाधन प्रभारी अशोक मिश्रा, लखनऊ के दिनेश पाण्डेय, कार्यक्रम प्रभारी विनोद, राजयोग टीचर बीके सरिता, बीके प्रियंका, खुशी, बीके गंगाधर, ईशान आदि उपस्थित रहे ।

राज्यपाल को स्मृति चिंह्न भेंट किया

शिव आमंत्रण, रीवा, मप्र। मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए सेवाकेंद्र संचालिका बीके निर्मला बहन, बीके प्रकाश भाई, बीके नम्रता बहन एवं बीके ज्योति बहन।

अमिताभ बच्चन को दिया निमंत्रण

शिव आमंत्रण, विलेपार्ले। मुंबई फिल्म सिटी गोरेगांव में कौन बनेगा करोड़पति के सेट पर सुपरस्टार अभिनेता अमिताभ बच्चन से वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके रीना बहन और डॉ. बीके दीपक हरके ने मुलाकात की। इस दौरान अमिताभ बच्चन को बीके रीना बहन ने ईश्वरीय परिचय और सौगात भेंट की। इसके साथ ही संस्थान की सेवाओं और गतिविधियों से अवगत कराते हुए मुख्यालय माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया।

कर्मों के परिवर्तन से बनेगा अपराधमुक्त जीवनः बीके रंजू

शिव आमंत्रण, मधेपुरा, बिहार। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय मधेपुरा की उपशाखा उदाकिशनगंज के तत्वावधान में उप कारागार उदाकिशुनगंज में तनाव प्रबंधन एवं सकारात्मक जीवन शैली अलविदा तनाव शिविर आयोजित किया गया। इसका उद्घाटन उपधीक्षक दिनेश कुमार ठाकुर, संस्थान के क्षेत्रीय प्रभारी रंजू दीदी, प्रशिक्षक बीके दीपक भाईजी, स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी शोभा दीदी, बीके किशोर भाई, शशिरंजन भाई, बड़ा बाबू सुभाष कुमार ने दीप प्रज्वलित करके किया।

बीके रंजू दीदी ने कहा कि कर्मों की गति बड़ी गुह होती है। कर्मों के आधार पर ही यह संसार चलता है। अपने ही किए हुए कर्मों से ही व्यक्ति महान या कंगाल बनता है। अपने कर्मों में परिवर्तन लाने से ही हम अपराध मुक्त बनते हैं। जेल के अधीक्षक दिनेश कुमार ठाकुर ने बताया कि आप सभी की उम्र मां बाप की सेवा करने की है। आप अपने में सुधार लाकर अपने मां-बाप की सेवा करें। बुरी आदतें व्यक्ति को बर्बाद करती हैं।

भीनमालः 456 की जांचीं आंखें, 36 मरीज ऑपरेशन के लिए चयनित

शिव आमंत्रण, भीनमाल (राजस्थान)। ब्रह्माकुमारीज़ राजयोग केंद्र भीनमाल एवं ग्लोबल नेत्र अस्पताल आबूरोड के संयुक्त तत्वावधान में बग्गूबाई जावतराजजी सेठ भीनमाल वालों की तरफ से 120वां नेत्र चिकित्सा एवं मोतियाबिंद जांच शिविर आयोजित किया गया। इसमें संचालिका बीके गीता ने कहा कि मानव सेवा ही श्रेष्ठ सेवा है। बीके सुनीता बहन ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा किए जाने वाले कार्य एवं संस्था के बारे में जानकारी दी। डॉ. अंशुमान ग्लोबल नेत्र अस्पताल आबूरोड ने नेत्र रोग एवं उसके बचाव के बारे में जानकारी दी कि हम किस प्रकार हम अपनी आंखों की सुरक्षा करें ताकि आंखों से संबंधित कोई रोग हो ही नहीं। नेत्र चिकित्सा शिविर में मोतियाबिंद ऑपरेशन योग्य लोगों की जांच की गई तथा 36 लोगों को ऑपरेशन के लिए ग्लोबल नेत्र अस्पताल आबूरोड ले जाया गया। 456 लोगों की आंखों की जांच की गई। इस मौके पर बीके कीर्ति बहन, सुमन बहन, अंजलि, संध्या, सुमन, राधा, लीला, केशर बहन, लक्ष्मण भाई , गुमान सिंह राव, अर्जुन भाई , गणपत , यशवंत, नारायण भाई , लक्ष्मण भाई गणेश भाई, मुकेश भाई, दला भाई ,पारस भाई व अन्य मौजूद रहे।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने देखा म्यूजियम

केंद्रीय मंत्री को शिव आमंत्रण की प्रति देते हुए बीके बहनें।

शिव आमंत्रण, आगरा, उप्र। केंद्रीय कानूनी राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल ने आगरा आर्ट गैलरी म्यूजियम को अवलोकन किया। वह आर्ट गैलरी के 19वें वार्षिक उत्सव पर पहुंचे थे। इस दौरान मंत्री बघेल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था देश-विदेश में समाज के लिए के लिए सराहनीय कार्य कर रही है। आज सभी के लिए योग की आवश्यकता है। प्रत्येक वर्ग को अपनी दिनचर्या में इसे शामिल करना चाहिए। इस दौरान मंत्री ने म्यूजियम में आध्यात्मिक रहस्यों को समझा।

'ब्रह्माकुमारीज़ की सेवाएं सराहनीय'

शिव आमंत्रण, मीरजापुर, उप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के मीरजापुर सेवाकेंद्र प्रभु उपहार भवन में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विंध्याचल मंडल के मंडल आयुक्त की धर्मपत्नी प्रोफेसर डॉ. सुधा मिश्रा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज की वैश्विक सेवाएं सराहनीय हैं। यहां आकर आज मेरा नया वर्ष इस मंगलकारी हो गया। बच्चों द्वारा कई रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। नव वर्ष के उपलक्ष्य में दीप प्रज्वलित कर सभी ने केक काटा। संस्था की निदेशक बीके बिंदु दीदी ने सभी का आभार प्रदर्शन करते हुए अपने जीवन में आध्यात्मिकता अपनाने पर बल दिया। संचालन बीके प्रदीप भाई ने किया।

स्वस्थिति से विजय संभव

शिव आमंत्रण, खाजपुरा/पटना, बिहार। सीआईएसएफ, यूनिट कमांडेंट मनीष प्रियदर्शी के निमंत्रण पर एक दिवसीय तनाव मुक्ति शिविर का आयोजन किया गया। इसमें बीके अंजू बहन ने कहा कि स्व स्थिति से सभी परिस्थितियों पर विजय प्राप्त की जा सकती है। इसके लिए सहज राजयोग मेडिटेशन करने से तनाव मुक्त रह सकते हैं। इस मौके पर बीके अनुराधा, बीके रविंद्र भाई, बीके वेदप्रकाश सहित अन्य सीआईएसएफ स्टॉफ शामिल थे।

कैबिनेट मंत्री महाराजा विश्वेंद्र सिंह को बीके बबीता ने सौगात भेंट की

शिव आमंत्रण, भरतपुर (राजस्थान) । भरतपुर के अंतिम शासक महाराजा सवाई ब्रजेन्द्र सिंह की 103वीं जयंती पर राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री महाराजा विश्वेन्द्र सिंह व डॉ. सुभाष गर्ग, तकनीकी शिक्षा एवं आयुर्वेद विभाग राज्यमंत्री को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके बबीता बहन एवं बीके प्रवीणा बहन।

राष्ट्रीय किसान दिवस] ब्रह्माकुमारीज़ के देशभर के सेवाकेंद्रों पर आयोजित किए गए कार्यक्रम

यौगिक खेती पद्धति में किसान परमात्मा से शुभ वायब्रेशन लेकर फसल को देते हैं: बीके मधु

शिव आमंत्रण, राजगढ़ (मप्र)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय शिव वरदान भवन राजगढ़ द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय किसान दिवस किसान सम्मान दिवस के रूप में मनाया गया।

इसमें ब्रह्माकुमारी मधु दीदी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा आध्यात्मिक खेती पद्धति को विकसित किया गया है जिसे शाश्वत यौगिक खेती नाम दिया गया है, जिसमें वैज्ञानिक तकनीक के साथ आध्यात्मिक शक्ति, परमात्मा की याद से प्रकृति को शुभ वायब्रेशन देकर रासायनिक एवं केमिकल मुक्त जैविक एवं यौगिक खेती करना है। इसके लिये किसानों को ब्रह्माकुमारी द्वारा समय प्रति समय प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

किसान सम्मान कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए अतिथिगण।

उप संचालक कृषि हरीश कुमार मालवीय ने ब्रह्माकुमारीज का उत्तम खेती के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान संस्थान से जुड़े लगभग 40 किसानों को ईश्वरीय सौगात, शिव ध्वज देकर सम्मानित किया गया। बीके सुरेखा द्वारा अपनी जमीन के कुछ भाग में यौगिक खेती करने की प्रतिज्ञा कराई गई।

इस अवसर पर डॉक्टर कायमसिंह वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र राजगढ़, दूरदर्शन केंद्र संचालक किसान पुत्र पुरुषोत्तम नायक, कृषि विकास अधिकारी राठौर जी, हॉर्टिकल्चर वैज्ञानिक लाल सिंह, मृदा वैज्ञानिक कुमरावत सिंह, कृषि अधिकारी सत्येंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

यौगिक-जैविक खेती कर रहे नशामुक्त, राजयोगी दस किसानों का किया सम्मान

शिव आमंत्रण, मीरजापुर, उप्र। ब्रह्माकुमारीज के प्रभु उपहार भवन सेवाकेंद्र पर किसान सम्मान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अतिथि के रूप में पधारीं मंडलीय क्रीड़ा अधिकारी भानु प्रसाद ने कहा कि आज जो रासायनिक खेती की जा रही है उसको छोड़ कर शाश्वत यौगिक खेती करने की जरूरत है। रासायनिक खेती से जमीन बंजर बन गई है। आज प्रकृति की भी जरूरत है कि प्राकृतिक एवं यौगिक खेती करें।

विशिष्ट अतिथि पूर्व कृषि अधिकारी राजेंद्र तिवारी एवं प्रख्यात कवि एवं लेखक आनंद अमित ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मंच संचालन कर रहे प्रदीप भाई ने ब्रह्माकुमारीज के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि पूरे भारतवर्ष में लगभग 2 हजार किसान भाई-बहन यौगिक खेती कर रहे हैं।

इस अवसर पर मीरजापुर के 10 किसान भाई-बहनें जो यौगिक खेती करते हैं, उनका तिलक लगाकर माला पहनाकर सम्मान किया गया। साथ ही सभी किसानों के लिए शाश्वत यौगिक खेती करने की विधि की पुस्तक प्रदान की गई।

सेवाकेंद्र प्रभारी बिंदु दीदी ने सभी किसान भाईयों से ब्रह्माकुमारीज के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग से जुड़कर यौगिक खेती करने का आह्वान किया। साथ ही राजयोग मेडिटेशन को अपनाने पर होने वाले फायदों से भी रुबरु कराया गया। राजयोग से जीवन सुखी और समृद्ध बनता है। जीवन में आनंद आता है।

शिक्षा मंत्री ने आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी देखी

शिव आमंत्रण, समस्तीपुर (बिहार)। विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री, बिहार सरकार को स्वर्णिम भारत नवनिर्माण आध्यात्मिक प्रदर्शनी के अवलोकन के बाद सौगात देते हुए बीके कृष्ण भाई एवं बीके सविता बहन।

ईश्वरीय उपहार देकर दिया प्रभु का संदेश

शिव आमंत्रण, पचमढ़ी (मप्र। जिला पुलिस आईजी दीपिका सूरी, सेना शिक्षा प्रशिक्षण केंद्र और कॉलेज पचमढ़ी ब्रिगेडियर हरीश गर्ग को ईश्वरीय संदेश देकर पचमढ़ी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके संध्या बहन ने सौगात भेंट की। साथ ही राजयोग मेडिटेशन का महत्व बताया।

राष्ट्रीय किसान दिवस | राय किसान दिवस पर किया किसान राष्ट्रीयों का सम्मान, यौगिक खेती की जानकारी भी दी

राजयोग के प्रयोग से हम जीवन बना सकते हैं खुशहाल

शिव आमंत्रण, भोपाल (मप्र)। ब्रह्माकुमारीज, रोहित नगर सेवाकेंद्र द्वारा ग्राम गुराड़ी घाट में राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रिंसिपल साइंटिस्ट सॉइल केमिस्ट्री एंड फर्टिलिटी डॉ. आनन्द विश्वकर्मा ने किसान भाईयों को मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के तरीके बताए।

सेवाकेंद्र प्रभारी डॉ. बीके रीना दीदी ने किसान भाई बहनों को शाश्वत यौगिक खेती के बारे में जानकारियां दी। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन एक घण्टे राजयोग मेडिटेशन से हम अपने जीवन को संतृप्त खुशहाल जीवन बना सकते हैं। इस अवसर पर किसान भाईयों का सम्मान भी किया गया एवं मास्क वितरण किए गये। साथ ही सभी को प्रभु प्रसाद भी दिया गया। साथ ही उन्होंने सभी किसान भाई-बहनों को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराते हुए करते हुए अपने जीवन को खुशहाल बनाने और शाश्वत यौगिक खेती करने का संकल्प दिलाया। किसान भाईयों के साथ केक काटकर किसान दिवस की खुशियां मनाई गईं।

खबर: एक नज़र

किसान दिवस पर सजाई झांकी

शिव आमंत्रण, पन्ना (मप्र)। राष्ट्रीय किसान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ करते हुए पन्ना उपसेवा केंद्र प्रभारी बीके सीता बहन, राज्य कृषि सेवा उपसंचालक एपी सुमन, ग्राम बराछ के सरपंच प्रीतम सिंह व अन्य।

आगमन पर दी ईश्वरीय सौगात

शिव आमंत्रण, मोकामा, बिहार। किसान दिवस पर सेवाकेन्द्र पधारे प्रखण्ड किसान सलाहकार संदीप कुमार को ईश्वरीय सौगात देते बीके निशा बहन, साथ में अन्य किसान व बीके रोशनी बहन।

किसानों का सम्मान कर दिलाया संकल्प

शिव आमंत्रण, हजारीबाग (झारखंड)। ब्रह्माकुमारीज़ के हजारीबाग सेवाकेन्द्र द्वारा अनेक शाखाओं में किसान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें गांव के मुखिया, ग्राम पंचायत के सदस्य, वार्ड पार्षद और मुख्य किसान सहित ब्रह्माकुमारी हर्षा, ब्रह्माकुमारी तृप्ति बहन उपस्थित रहें। हर्षा दीदी ने किसान भाईयों को तिलक लगाकर गमछा पहनाकर और पुष्प देकर सम्मान किया।

कपड़वंज में किसानों का किया सम्मान

शिव आमंत्रण, कपड़वंज गुजरात। राष्ट्रीय किसान दिवस पर कपड़वंज केंद्र में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बीके मालाबेन ने सरपंच और किसानों का सम्मान कर यौगिक खेती की जानकारी दी। इस मौके पर बीके मालाबेन, मोहनभाई पटेल (प्रमुख खेड़ा जिला किसान संघ) नटूभाई पटेल (सेवानिवृत्त प्रोफेसर) उपस्थित रहे।

गुमला में भी कार्यक्रम आयोजित

शिव आमंत्रण, गुमला(झारखंड)। राष्ट्रीय किसान दिवस पर कृषक भाई-बहनों को संबोधित करते हुए बीके शांति, साथ में रिटायर्ड सूबेदार सहदेव महतो, बजरंगी भाई, विनय भाई एवं शिव भाई।

"व्यर्थ को मिटाओ तो समर्थ बन जाएंगे!"

बच्चों को श्रेष्ठ कर्मों के ज्ञान के साथ मूल्य और संस्कारों से सींचने की जरूरत

विन्टर कार्निवाल का उद्घाटन करते बीके मृत्युंजय, बीके सुषमा, बीके शिविका व अन्य बहनें।

» शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मनमोहिनीवनी स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में नौनिहालों के लिए विन्टर कार्निवाल आयोजित किया गया। इसमें बच्चों को राजयोग के साथ श्रेष्ठ कर्मों का दिया गया। इसमें 8 से 16 साल तक के देशभर के 500 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। जयपुर सबजोन प्रभारी बीके सुषमा ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं। इन्हें श्रेष्ठ कर्मों का ज्ञान देकर तथा मानवीय संस्कारों से सींचने की जरूरत है। बच्चों को बचपन से ही नैतिक मूल्यों के लिए शिक्षा देने की जरूरत है।

शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष बीके मृत्युंजय ने कहा कि झूठ, गलत, चोरी आदि बुराईयों से बचना चाहिए। नशे से शरीर और आत्मा दोनों को ही नुकसान करता है। मुख्यालय संयोजक बीके शिविका ने बच्चों को प्रतिदिन की दिनचर्या पूर्ण रूप से फालो करने का संकल्प कराया तथा उन्हें राजयोग ध्यान भी सीखने के लिए प्रेरणा दी। बीके श्रीनिधी समेत कई लोग उपस्थित थे। तीन दिवसीय विन्टर कार्निवाल में बच्चों के लिए सांस्कृतिक, बौद्धिक, पेटिंग चम्मच दौड़, नींबू आदि प्रतिस्पर्धा आयोजित की गई।

यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट्रल अमेरिका ने बीके गोदावरी को डी. लिट की उपाधि से नवाजा

बीके गोदावरी दीदी के सम्मान के दौरान उपस्थित बीके बृजमोहन, बीके संतोष व अन्य बहनें।

» शिव आमंत्रण, मुलुंड, मुंबई। ब्रह्माकुमारीज, मुलुंड सबजोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके गोदावरी के आध्यात्मिक सेवाओं के 50 साल पूरे होने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। वह 1962 से देश-विदेश में समर्पित रूप से सेवाएं दे रहीं हैं। कार्यक्रम कालिदास रुनग्नालय, प्रियदर्शिनी इंदिरा गाँधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया गया। इस दौरान बीके गोदावरी दीदी को यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट्रल अमेरिका, बोलीविया द्वारा उनकी मानव सेवाओं के लिए डी. लिट (डॉक्टरेट ऑफ लेटर्स) की डिग्री प्रदान की गई।

डॉ. राजकुमार कोहले, जानवीस मल्टी फाउंडेशन वन्दे मातरम डिग्री कॉलेज, डोम्बिवली (प.) ठाणे और डॉ. एस राधाकृष्ण टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने बीके गोदावरी दीदी की सेवाओं की सराहना की। दीपक हरके ने वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड, लंदन के सहयोग से भी सम्मानित किया। इस मौके पर अतिरिक्त महासचिव राजयोगी बृजमोहन भाई, संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके संतोष दीदी, राजयोगी रतन थडानी, डायरेक्टर वर्ल्ड मीडिया, अभिनेत्री वर्षा उसगांवकर, माया कोठारी, मैनेजिंग ट्रस्टी, श्री कच्छी लोहना महाजन सहित अन्य मौजूद रहे।

बीके वीणा को श्रद्धांजली अर्पित की

» रांची-चौधरी बगान, हरमू रोड । ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र पर पूर्व केन्द्र संचालिका ब्रह्माकुमारी वीणा बहन के स्मृति दिवस पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। सर्वप्रथम संचालिका रानी बहन के बाद वीणा बहन ने आध्यात्मिक सेवाओं को गति दी थी। वर्तमान में उसी कार्य को ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है। सीए विष्णु गोयनका ने कहा कि वीणा बहन की वाणी अवश्य आध्यात्म क्षितिज से शांत हो गयी है लेकिन उनके जीवन की महान धारणाएं व शक्तिशाली संकल्प अभी भी दूर-दूर तक अपना प्रभाव फैला रहे हैं। उनकी जीवन में धीरज का गुण पराकाष्ठा पर था। धीरज के साथ मधुरता और औरों के प्रति शुभ भावना और शुभ कामना भी थी।

किसानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें

» शिव आमंत्रण, मौदा, महाराष्ट्र। ब्रह्माकुमारीज़ मौदा में राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया गया। इसमें सेवाकेन्द्र संचालिका ब्रह्माकुमारी अर्चना दीदी ने कहा कि जग का अन्नदाता ही नहीं लेकिन अर्थव्यवस्था का आधार कहे जाने वाले किसानों के कर्तव्य के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है। क्षेत्रीय जैविक खेती प्रशिक्षक कृष्णा हटवार, तालुका कृषि अधिकारी संदीप नाकड़, कृषि अधिकारी जुमले तथा कृषि अधिकारी संध्या मकदम, बाबा साहेब सवानेरकर उपाध्यक्ष जनता हाई स्कूल आदि उपस्थित थे। संचालन बीके विमल ने किया। अभार बीके प्रांजलि ने माना।

42 भाई-बहनों ने किया रक्तदान

» शिव आमंत्रण, अंबिकापुर (छग)। ब्रह्माकुमारीज़ के नव विश्व भवन चोपापारा में हमर खून बचा ही जिंदगी अभियान के अन्तर्गत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रविन्द्र टुटेजा अध्यक्ष लायंस क्लब सुपर स्टार, वीके सिंह राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता, शिल्पा समाजसेवी एवं अधिवक्ता महिलाओं, बच्चों एवं किन्नरों के क्षेत्र में कार्यरत, वन्दना दत्ता बंगाली समाज महिला संघ की संचालिका, अशोक जैन अध्यक्ष जैन समाज, अनिल कुमार मिश्रा सामाजिक कार्यकर्ता, मंगल पाण्डे व सेवाकेन्द्र संचालिका बीके विद्या दीदी ने रक्तदान महादान शिविर का उद्घाटन किया। इसमें 42 लोगों ने रक्तदान किया।

» स्थापना दिवस | गुरुग्राम के ओम शांति रिट्रीट सेंटर का 20वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

आध्यात्मिकता से ही सर्व समस्याओं का समाधान संभव है

» शिव आमंत्रण, गुरुग्राम (हरियाणा) । भोड़ाकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेन्टर का 20वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। इस दौरान सीबीआई के पूर्व निदेशक एवं राष्ट्रीय मानवधिकार आयोग के महानिदेशक डॉ. डीआर कार्तिकेयन ने कहा कि वर्तमान समय सारा विश्व दुःख-अशांति के जिस दौर से गुजर रहा है, उसका एकमात्र समाधान आध्यात्मिकता है। ब्रह्मा बाबा द्वारा शुरू किया गया विश्व परिवर्तन का ये महान यज्ञ, नारी शक्ति के नेतृत्व में पूरे विश्व में फैल चुका है। जहां मेडीकेशन काम नहीं आता वहां मेडीटेशन असम्भव को भी सम्भव कर देता है।

गिनी की राजदूत फातोमाता बाल्डे ने कहा कि मैं एक मुस्लिम होने के कारण ईश्वर को एक मानती हूँ। यहाँ पर भी मुझे ठीक इसी तरह का अनुभव हुआ। मैंने यहाँ पवित्रता और विश्व-बंधुत्व के प्रकम्पन्न महसूस किए।

पटौदी के विधायक सत्य प्रकाश ने कहा कि आजादी के 75वीं वर्षगांठ पर ओआरसी का 20 वां स्थापना दिवस मनाना, मेरे लिए सौभाग्य की बात है। हमारे क्षेत्र में स्थित इतना सुंदर आध्यात्मिक परिसर हमें गर्व महसूस कराता है। इस अवसर पर संस्था के अतिरिक्त महासचिव बी.के. बृजमोहन ने कहा कि लोग कहते हैं, परमात्मा ने गार्डन ऑफ अल्लाह बनाया। लेकिन वास्तव में आज हम प्रत्यक्ष रूप में देखते हैं कि भगवान कैसे काँटों जैसे मनुष्यों को भी दिव्य गुणों द्वारा चैतन्य फूल बना रहे हैं। ओआरसी की निदेशिका आशा दीदी ने कहा कि ये स्थान सारे विश्व की आत्माओं की सेवा के लिए बनाया गया है। आने वाले समय में इसकी भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण होने वाली है। राजयोगिनी गीता दीदी ने कहा कि एक-एक अंगुली के सहयोग से ही ये दुनिया परिवर्तन होगी। शुक्ला दीदी, चक्रधारी दीदी, पुष्पा दीदी, विजय दीदी एवं डॉ. मोहित गुप्ता, टीसीआई के सीएमडी संजीव कुमार, संचार मंत्रालय भारत सरकार की उपनिदेशक अमरप्रीत, डैकन एयर कंडिशनिंग की एमडी एवं सीईओ कंवलजीत जावा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सुप्रसिद्ध गायक पंडित बृजेश मिश्रा ने गीत प्रस्तुत किया।

90 किसानों को किया सम्मानित, यौगिक खेती के बारे में बताया

» शिव आमंत्रण, राजकोट, गुजरात। राजकोट मेहुल नगर सेवाकेंद्र पर किसान दिवस स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 90 किसान भाईयों और बहनों ने लाभ लिया। कार्यक्रम में विशेष रूप से सरपंच हंसाबेन पटेल उपस्थित रहे। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके चेतना ने ग्राम विकास प्रभाग और शाश्वत यौगिक खेती की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही मेहमानों के लिए ईश्वरीय सौगात दी गई। समापन पर सभी किसान राष्ट्रीययों ने ब्रह्मभोजन भी स्वीकार किया।

मूल्यों के बिना मीडिया अधूरा: प्रो. शर्मा

मीडिया परिसंवाद में उपस्थित प्रो. बलदेव शर्मा, जोनल निदेशिका बीके कमला, बीके मंजू, वरिष्ठ पत्रकार तथा अन्य।

शिव आमंत्रण, रायपुर (छग)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मीडिया प्रभाग द्वारा शांति सरोवर में मीडिया परिसंवाद का आयोजन किया गया। इंदौर जोन के पूर्व निदेशक ओमप्रकाश भाई की छठवीं पुण्य तिथि पर आयोजित इस परिसंवाद का विषय था 'मूल्यगत मीडिया और चुनौतियां'।

इसमें कुशाभाउ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव शर्मा ने कहा कि मानवीय मूल्यों के बिना मीडिया का उद्देश्य पूरा नहीं हो सकता है। दूसरों को सुख मिले, उसका फायदा हो और उसका दुःख दूर हो यही सोचना ही मूल्यबोध है। पत्रकारिता के आगे सबसे बड़ी चुनौती व्यावसायिकता है। मीडिया कर्मी तो ऋषि परम्परा के वंशज हैं। जग को सुखी बनाना, दुःखी व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाना यह पत्रकार का काम होना चाहिए। अन्यथा मीडिया लोकोपकार, जन जागरण और सत्यान्वेषण का माध्यम नहीं रह पाएगा।

नई दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक एनके सिंह ने वीडियो सन्देश में कहा कि प्राथमिक स्कूलों में मूल्यनिष्ठ शिक्षा देने की आवश्यकता है। माता-पिता और शिक्षकों को वेल्यू एजुकेशन देने का कार्य ब्रह्माकुमारीज अच्छे से कर सकता है। दैनिक भास्कर के संपादक शिव दुबे ने कहा कि मीडिया, समाज और मूल्य तीनों एक-दूसरे के पूरक हैं। समाज मूल्यों से बनता है। आज जब अखबारों में घोटालों की खबरें छपती हैं। तो समाज आगे नहीं आता है। उनकी चर्चा ड्राइंग रूम तक ही सीमित होकर रह जाती हैं। मीडिया समाज से अलग नहीं है। समाज में बदलाव लाने के लिए हमें आगे आना होगा। क्षेत्रीय निदेशिका कमला दीदी, वरिष्ठ पत्रकार रमेश नैयर, क्षेत्रीय समन्वयक बीके हेमलता, बिजनेस स्टैण्डर्ड के राज्य प्रमुख आर. कृष्णादास और आईबीसी 24 न्यूज के समाचार संपादक शिरीष मिश्रा ने भी विचार व्यक्त किए। गायिका कु. शारदा नाथ ने गीत प्रस्तुत किया। राजयोग की अनुभूति बीके मंजू ने कराई। संचालन सहारा समय की राज्य प्रमुख प्रियंका कौशल ने किया।

21 दिनी योग-साधना भट्टी संपन

शिव आमंत्रण, अंबिकापुर (छग)। ब्रह्माकुमारीज़ के नव विश्व भवन चोपड़ापारा में नववर्ष के उपलक्ष्य में 21 दिवसीय स्वउन्नति योग-तपस्या भट्टी रखी गई। इस शुभारंभ सरगुजा संभाग की संचालिका बीके विद्या दीदी एवं बीके बहनों द्वारा केक कटिंग कर किया गया। सरगुजा संभागीय उद्योग संघ महासचित बी.एस. कटलरिया ने कहा कि जब हमारा भारत देश एक है, हम एक हैं तो इस नये वर्ष पर ऐसा कुछ काम करें कि यह जीवन सचमुच एक बन जाये जिसे लोग याद करें। राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता वी.के. सिंह ने भी विचार व्यक्त किए।

गीता जयंती पर बहनें सम्मानित

शिव आमंत्रण, राजगढ़ (मध्यप्रदेश)। छापीहेड़ा गीता स्वाध्याय मंडल छापीहेड़ा द्वारा श्री सिद्ध बालाजी मंदिर परिसर में गीता जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विश्व गीता प्रतिष्ठानाम् रामानुजकोट उज्जैनी, अर्चना दुबे, श्री राम मंदिर पंडित बाड़ी सारंगपुर एवं ब्रह्माकुमारीज की जिला प्रभारी ब्रह्माकुमारी मधु, बीके सुरेखा को विशेष रूप से आमंत्रित कर विशेष रूप से सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया।

ब्रह्माकुमारीज़ जयपुर का 24वां स्थापना दिवस मनाया

शिव आमंत्रण, जयपुर (राजस्थान)। ब्रह्माकुमारीज के जयपुर म्यूजियम सबजोन के वैशाली नगर सेवाकेंद्र का 24वां स्थापना दिवस मनाया गया। नृत्य नाटिका से सन्देश दिया गया। जिला प्रमुख रमा चौपड़ा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज द्वारा किये जा रहे सतयुग निर्माण कार्य में मैं सदा साथ हूं। और सभी से निवेदन करती हूं कि वे भी इस महान कार्य में अपनी भागीदारी निभाएं। आईएएस जेसी मोहन्ती ने कहा कि ये संस्थान समाज में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यहां से जीवन में उलझे हुए मनुष्य को सच्चे जीवन लक्ष्य की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन में दिव्यता का समावेश होता है। पार्षद प्रवीण यादव, विश्व धर्म चेतना मंच के जयपुर ब्रांच के चेयरमैन संजय शर्मा , दाना शिवम् अस्पताल के डायरेक्टर एसपी यादव, डॉ. साधना शंकर, मोती चौपड़ा, आईएएस कृष्ण कुमार सबीकी ने भी विचार व्यक्त किए। सेवाकेंद्र के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 10 दिन तक विविध कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेता भाई-बहनों को पुरस्कार दिया गया।

आत्मनिर्भर राजऋषि कृषि फॉर्म से देंगे यौगिक खेती का संदेश

शिव आमंत्रण, टोंक (राजस्थान)। ब्रह्माकुमारीज के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग शाखा टोंक द्वारा ग्राम खातोला में स्थित शाश्वत यौगिक खेती आधारित नवनिर्मित आत्मनिर्भर राजऋषि कृषि फार्म का उद्घाटन किया गया। इसमें पूर्व कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रभुलाल सैनी ने विभिन्न खेती पद्धति बताते हुए कहा कि हमको फिर से पुरातन कृषि पद्धति की और चलना होगा और उन्होंने जैविक व यौगिक खेती अपनाने का दृढ़ संकल्प किया। ग्राम विकास प्रभाग के उपाध्यक्ष राजयोगी बीके राजू भाई ने यौगिक खेती को परिभाषित करते हुए कहा कि प्राकृतिक ढंग से केंचुए की खाद व गाय के गोबर के साथ-साथ मन के श्रेष्ठ पवित्र संकल्पों का पेड़ पौधों के साथ संबंध स्थापित करके परमात्मा शक्तियां को उपयोग में लाकर शाश्वत यौगिक खेती की जाती है। बीके चंद्रकला, प्रभाग के सचिव बीके सुमंत भाई, जिला प्रमुख प्रतिनिधि नरेश बंसल, अखिल भारतीय धाकड़ महासभा के अध्यक्ष हेमराज नागर व सहायक निदेशक कृषि विस्तार दुनी राधेश्याम मीणा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मॉडल के निर्देशक बीके प्रहलाद ने अतिथियों का स्वागत सम्मान किया। क्षेत्रीय संचालिका बीके अपर्णा दीदी ने अतिथियों का सम्मान किया।

इको पार्क में लिया प्रकृति का आनंद

शिव आमंत्रण, सिंगरौली (मप्र)। एक लंबे समय से इको पार्क की कल्पना कर रहे नगर वासियों को नव वर्ष पर इको पार्क की सौगात मिली। इको पार्क का शुभारंभ कलेक्टर, जिपं सीईओ साकेत मालवीय, निगम आयुक्त और ब्रह्माकुमारीज संस्थान भोपाल क्षेत्र की संचालिका अवधेश बहन व सिंगरौली विधायक की उपस्थिति में हुआ। इसमें बीके अवधेश बहन ने हजारों भाई बहनों को राजयोग का अभ्यास कराया और जीवन जीने की कला के बारे में बताया। ग्वालियर की ज्योति बहन, आगरा की ऋतु बहन एवं मध्य प्रदेश के अनेक स्थानों से पधारे भाई-बहन भी कार्यक्रम में शामिल रहे। सम्राट जादूगर ने लोगों का मनोरंजन हुआ। विधायक राम लल्लू वैश्य ने नववर्ष की शुभकामना दी। निगम के पूर्व अध्यक्ष चंद्र प्रताप विश्वकर्मा, पूर्व पार्षद देवेश पांडे, रजनीश पांडे भी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय किसान दिवस | मंडीबामोरा सेवाकेंद्र की ओर से नशामुक्त एवं जैविक खेती कर रहे किसानों का किया गया सम्मान

'वैज्ञानिक तरीके से विकसित की गई है जैविक-यौगिक खेती'

शिव आमंत्रण, मंडी बामोरा (बीना) मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मंडी बामोरा सेवाकेंद्र की ओर से प्रियाकुंज आश्रम में राष्ट्रीय किसान दिवस के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। गंजबासौदा से पधारे जिला न्यायाधीश विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग किसानों की उन्नति के लिए शोध के साथ सराहनीय कार्य कर रहा है। प्रभाग से वर्षों तक शोध के बाद वैज्ञानिक तरीके से जैविक-यौगिक खेती पद्धति विकसित की

समारोह का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते अतिथि।

है। मुझे करीब से यौगिक खेती के बारे में जानने को मिला। वहां मैंने जाना कि कैसे मेडिटेशन के माध्यम से परमात्मा से शक्ति लेकर शुभ और शक्तिशाली वाइब्रेशन लेकर फसल को देते हैं। देशभर में करीब 2 हजार किसान आज यौगिक खेती कर रहे हैं। यदि हमें पर्यावरण बचाना है तो जैविक खेती पर आना ही होगा। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त, हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य जगदीश त्रिपाठी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान में पूरे वैज्ञानिक तथ्यों के साथ ज्ञान का विश्लेषण किया जाता है। इस दौरान नशामुक्त और जैविक खेती कर रहे जोनाखेड़ी गांव के उन्नतशील किसान उमाशंकर प्रजापति, मोहनलाल प्रजापति सहित अन्य किसानों का सम्मान बीना सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सरोज और सेवाकेंद्र प्रभारी बीके जानकी दीदी ने किया। संचालन शिव आमंत्रण के संयुक्त संपादक, मोटिवेशनल लेखक पुष्पेंद्र साहू ने किया।

पत्रकार स्नेह मिलन समारोह आयोजित

शिव आमंत्रण, छतरपुर (मप्र)। ब्रह्माकुमारीज़ के बिजावर सेंटर द्वारा मीडिया विभाग का स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसमें नगर के सभी पत्रकार मौजूद रहे। मुख्य अतिथि के रूप में राजकुमार बागरी (महिला बाल विकास अधिकारी), पत्रकार अरविंद अग्रवाल (दैनिक भास्कर), पत्रकार प्रकाश भट्ट (दैनिक जनहित दर्शन), शशि कांत द्विवेदी (आईएनडी 24 न्यूज चैनल) कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। बीके रचना ने संस्था का परिचय दिया। हरपालपुर सेवाकेंद्र से पहुंची पूनम बहन ने कहा कि वर्तमान में जन संचार के माध्यमों के द्वारा समाज को ऐसी कोई चीज ना दें जो वातावरण को दूषित करें। संचालन बीके शिल्पा बहन ने किया और साथ ही श्रेष्ठ समाज के निर्माण के लिए संकल्प भी कराया। अंत में सभी पत्रकारों को ईश्वरीय सौगात दी।

समय, संकल्प और शक्ति की बचत-योजना बनाकर कार्य करो!

राष्ट्रीय मीडिया सेमिनार] आजादी का अमृत महोत्सव के तहत रीवा में आयोजन

चुनौतियों से निपटने में मीडिया की अहम भूमिका

- मुख्यालय माउंट आबू से मुख्य रूप से पीआरओ बीके कोमल ने लिया भाग

राष्ट्रीय मीडिया सेमीनार में उपस्थित अतिथि।

शिव आमंत्रण, रीवा (मप्र)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र रीवा में राष्ट्रीय मीडिया सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ऑनलाइन जुड़े। उन्होंने कहा कि आज समाज में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। वरिष्ठ पत्रकार मधुकर द्विवेदी ने कहा कि स्वर्ग कोई गया की नहीं मैं कई बार स्वर्ग गया हूं। बीके सूर्य है जिस प्रकार सूर्य के बारे में छापे या न छापे सूर्य को किसी बात की आवश्यकता नहीं।

माउंट आबू से पधारे संस्थान के पीआरओ व मधुबन न्यूज के डायरेक्टर बीके कोमल ने कहा कि 25 साल से पत्रकारों के लिये ब्रह्माकुमारीज सेमीनार कर रही हैं। ब्रह्माकुमारीज़ ही एकमात्र संस्थान है जो पत्रकारों की आध्यात्मिक उन्नति के लिए लगातार प्रयासरत है। इसके लिए साल में दो बार माउंट आबू में राष्ट्रीय मीडिया सेमीनार आयोजित किया जाता है। निदान हम सबको व्यक्तिगत करना चाहिए। उन्होंने सभी पत्रकारों से माउंट आबू आने का आह्वान किया। डॉ. दीपेंद्र सिंह ने कहा कि इस वर्ष ग्रामीण पत्रकारिता पाठ्यक्रम शुरू हुआ है। मीडिया और उसकी समस्या मानवता की ही समस्या है। मीडिया की समस्या विशिष्ट है क्योंकि इसमें संवेदनशील लोग आते हैं।

उड़ीसा से पधारे (बंगाल, बिहार, उड़ीसा) ईस्टर्न जोन के मीडिया निदेशक बीके नथमल ने कहा कि पत्रकारों से मिलना अपनापन लगता है। आप दूसरों को रोशनी दिखाने वाले ही हैं आपको कौन सिखा सकता है। मीडिया पर्सन वह व्यक्तित्व है जिसे हर क्षेत्र में कला दिखानी पढ़ती है। चुनौतियां कुछ नहीं हैं हमने चुनौतियां स्वयं बना ली हैं। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके निर्मला बहन ने कहा कि पत्रकार भाई नहीं सभी मेरे भाई हैं। आपके दिल की पुकार कौन सुन सकता है। आपके पिता कुछ भी हो सुबह उठकर सबसे पहले अपने पिता को प्रणाम करना है। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. बृजेंद्र शुक्ला ने भी अपने विचार व्यक्त किये। अंकिता द्विवेदी ने आभार प्रकट किया।

सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा कि परिवर्तन के समय कुछ लोग खिलाफ में लड़ते हैं। आपकी परिस्थितियां भिन्न हैं। कलमकार की स्वतंत्रता नहीं है। बिना स्वार्थ के कोई अनुदान नहीं देना चाहता है। आज सोशल मीडिया सबसे बड़ी चुनौती है। मीडिया विंग की जोनल को-ऑर्डिनेटर बीके रीना बहन मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

29 गांव के 127 किसानों को सम्मान से सराहा

शिव आमंत्रण, बलौदा (छग)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा बलौदा में किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। बिलासपुर से पधारीं बीके मंजू दीदी ने कहा कि जिस प्रकार अच्छी खेती के लिए अच्छा बीज जरूरी है उसी प्रकार श्रेष्ठ संस्कारों की खेती जमा करने का समय अभी है। स्वयं परमात्मा जो पूरी दुनिया का सबसे बड़ा किसान है, बागवान है, माली है। उन्होंने वर्तमान में समय रूपी मिट्टी को संस्कारों का बीज बोने के लिए उपजाऊ बनाया है। जिसमें हम अपने संस्कारों को अच्छा बनाने के लिए बीज बो सकते हैं और संस्कारवान बन सकते हैं। कार्यक्रम में लगभग 29 गांवों के 127 किसानों के साथ-साथ कृषि विकास अधिकारी, जनपद सदस्य, सरपंच, उपसरपंच व शिक्षक उपस्थित हुए। जनपद सदस्य मंगताराम, कृषि विकास अधिकारी एडी दीवा, किसान रूद्र प्रताप सिंह, सरपंच बबीता साहू ने अपने विचार व्यक्त किए। संचालन बीके शशि बहन ने किया।

शांति-खुशी का अनुभव करना है तो ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय जाएं

शिव आमंत्रण, जम्मू। मेडिटेशन सेंटर 248 ब्रह्माकुमारीज़ रोड जम्मू में कृषि ग्राम विकास प्रभाग (आरईआरएफ) और ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राष्ट्रीय किसान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. जेपी शर्मा ने बताया कि हमें मन की शांति और खुशी का अनुभव करना हो तो ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय माउंट आबू ज़रूर जाना चाहिए। वहां हर एक व्यक्ति के चेहरे पर सौम्यता और खुशी थी। हर तरफ शांति का वातावरण था। बीके सुदर्शन दीदी ने कहा कि हर दिन ही किसान का दिन है। बीके रविंदर, डॉ. अशोक गुप्ता ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बीके निर्मल ने राजयोग मेडिटेशन की सुखद अनुभूति कराई।

भारत की शान, अन्नदाता किसान कार्यक्रम आयोजित

शिव आमंत्रण, इंदौर (मप्र)। राष्ट्रीय किसान दिवस पर प्रेम नगर, इंदौर के उपसेवाकेंद्र, बिजलपुर में 'भारत की शान, अन्नदाता किसान' कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें अतिथि के रूप में बद्रीलाल चौधरी (मैनेजर, इंदौर प्रीमियर कोपरेटिव बैंक, बिजलपुर, रामप्रकाश ओझा (मैनेजर, बैंक ऑफ इंडिया), राधेश्याम पटवारी (अध्यक्ष, शाशकीय कन्याशाला), बाबूलाल पटेल (अध्यक्ष, खाती समाज), राधेश्याम बागवाला (समाजसेवी), भरत पटवारी (समाजसेवी, बीके शशि दीदी (अध्यक्षता - प्रभारी, इंदौर पश्चिम क्षेत्र एवं इंदौर प्रेमनगर सेवाकेंद्र मुख्य रूप से मौजूद रहीं। संचालन यश्वनी दीदी ने किया।

बीके पुष्पेन्द्र
संयुक्त संपादक, शिव आमंत्रण

नई राहें

आध्यात्म के समावेश से जीवन होगा 'भयमुक्त'

भय, डर, फीयर। आज हर कोई किसी न किसी प्रकार के भय में जी रहा है। किसी को मृत्यु का भय है तो किसी को असफलता, निंदा, भविष्य, मान-सम्मान, करीबी रिश्ते खो जाने, अपमान, भूत-प्रेत फिर सबसे बड़ा भय है... 'लोग क्या कहेंगे'। इसे सामाजिक भय भी कह सकते हैं। अपने मन और विचारों की समीक्षा करने की जरूरत है कहीं हम भी तो भय में नहीं जी रहे हैं? भविष्य कैसा होगा? कहीं नौकरी चली गई तो क्या करेंगे?

डर-भय अंतर्मन के वह नकारात्मक विचार हैं जो बचपन से हमारे अंदर परिवार, समाज के माध्यम से घर कर जाते हैं। हम भविष्य के बारे में सोच-सोचकर भयभीत रहते हैं जबकि वह घटनाएं या परिस्थिति हमारे साथ घटित भी नहीं हुई है। जब किसी एक नकारात्मक विचार या संकल्प को बार-बार दोहराया जाए तो वह हमारे अंतर्मन का हिस्सा बन जाता है। विख्यात लेखक एम शर्न के अनुसार- भय का अर्थ है मानसिक रूप से नकारात्मक भावनाओं और नकारात्मक दृष्टिकोण से युक्त होना। इसके अलावा भय के सैकड़ों कारण हैं।

भय का कारण जानने की जरूरत: भयमुक्त होने के लिए सबसे जरूरी है अपने विचारों की जांच करना। एकांत के किसी कोने में जाकर चिंतन करना होगा, आखिर अमुख बात का कारण क्या है? क्यों वह संकल्प बार-बार मन में आता है? कब आता है? जब वह आए तो हम कैसे उसे परिवर्तित कर सकते हैं। जो व्यक्ति अपने जीवन में छोटी-छोटी गलतियां नहीं करता है और प्रत्येक कर्म को तराजू की तरह तौलकर, उसके भूत-भविष्य को देखकर आगे बढ़ता है। ऐसा व्यक्ति सदा निर्भय रहता है। साथ ही जिसके मन में सदा देने का भाव, दातापन और कल्याण का भाव हो, सद्भावना का भाव हो, ऐसे व्यक्ति का जीवन भी अचल-अडोल रहता है। जो सदा दूसरों से मांगने और अपेक्षा रखता है वह भी सदा निर्भय नहीं रह सकता है।

आध्यात्मिक सशक्तिकरण: आध्यात्मिक सशक्तिकरण ही वह मूल तत्व है जो मनुष्य को इस काबिल बनाता है कि वह अपनी आंतरिक कमियों को दूर कर सके। इसी से मनुष्य की आस्था खुद में पक्की हो जाती है। जीवन में आध्यात्म को शामिल करने से हमारा चिंतन आत्मा के उत्थान, कल्याण और मुक्ति-जीवनमुक्ति की ओर अग्रसर हो जाता है। इससे मनुष्य जीवन की भौतिक परिस्थितियों, समस्याओं से घबराता नहीं है क्योंकि उसके अंतर्मन में निरंतर ज्ञान रूपी अमृत प्रवाहित हो रहा होता है। जीवन को सच्चाई, सफाई के साथ ऐसे जिया जाए कि आज ही आत्मा पंछी उड़ जाए तो कोई अफसोस न रहे।

सर्वोच्च सत्ता के साथ सर्व संबंध: जीवन में कितनी ही विपरीत परिस्थितियां हों लेकिन हमारा ईश्वर पर, स्वयं पर इतना अटल निश्चय हो कि मन को हिला न सकें। जब हमारे मन के तार सर्वोच्च सत्ता के साथ जुड़े रहते हैं तो नदी की निरझर धारा की तरह उनकी शक्तियां और वरदानों की अनुभूति होने लगती है। लेकिन हिम्मत का पहला कदम हमें ही बढ़ाना होगा। परमात्मा ने कहा है- मेरे बच्चों! तुम हिम्मत का एक कदम बढ़ाओ, मैं हजार कदम बढ़ाऊंगा। मैं तुम्हारी मदद के लिए बंधा हुआ हूं।

राजयोग ज्ञान है अमृत समान: भयमुक्त होने में राजयोग का ज्ञान मन और आत्मा के लिए अमृत का कार्य करता है। जब हम अंतर्मन से यह स्वीकार कर लेते हैं कि आत्मा तो अजर-अमर-अविनाशी है। मैं सर्वशक्तिमान की संतान, मास्टर सर्वशक्तिमान हूं। मैं निर्भय हूं, निडर हूं, महावीर हूं। जब इन सकारात्मक शुभ व श्रेष्ठ संकल्पों को दिन में बार-बार दोहराते हैं, उन संकल्पों को अंतर्मन से फील करते हैं और उनके अनुसार अपने कर्म करने का अभ्यास करते हैं तो धीरे-धीरे भय का भूत हमारे मन और आत्मा से विदाई ले लेता है। चिंतन करें कि मेरे पास निर्भयता की शक्ति है। हजार भुलाओं वाला, सर्व का नाथ, दुःख-हर्ता-सुखकर्ता, ईश्वर, परमात्मा मेरे साथ हैं, फिर भला मुझे किसी बात से क्या डरना। जैसे-जैसे हमारे जीवन में मन-वचन-कर्म, दृष्टि-वृत्ति की पवित्रता बढ़ती जाती है तो वह आत्मा निर्भय बनती जाती है। क्योंकि पवित्र आत्मा दुनियावी सभी बातों से निर्भय, निडर और निश्चिंत होती है। उसके सोच और कर्म में समभाव होता है। कर्म के बाद पछतावा नहीं होता है। वह वर्तमान में जीवन जीता है और सदा भयमुक्त, आनंदित जीवन जीता है।

शिव आमंत्रण, सोनीपत (हरियाणा)। किसान दिवस पर सुख शांति भवन सोनीपत में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बीके प्रमोद दीदी और बीके सुनीता दीदी ने सभी को अपने जीवन में श्रेष्ठ कर्मों का बीज रोपण करने की शिक्षा दी। माउंट आबू द्वारा चलाए जा रहे हैं शाश्वत योगी खेती के बारे में भी विस्तार से बताया। कार्यक्रम में लगभग 250 से ज्यादा किसान भाई और माताएं उपस्थित रहे।

आंवला, बरेली (उप्र)। राष्ट्रीय किसान दिवस कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए ब्लॉक प्रमुख आरती यादव, विभिन्न गांवों से पधारे ग्राम प्रधान, बीके पार्वती बहन, बीके नीता बहन।

स्वस्थ और खुशहाल जीवन के लिए बायोलॉजिकल क्लॉक के अनुसार दिनचर्या रखें: डॉ. सतीश गुप्ता

शिव आमंत्रण, नीमच (मप्र)। वर्तमान समय में जीवन शैली भागमभाग, तनाव और अस्त-व्यस्त दिनचर्या की हो गई है। इसी कारण लगभग हर व्यक्ति चाहे शारीरिक अथवा मानसिक रूप से कहीं न कहीं अस्वस्थ महसूस करता है और जीवन की स्वाभाविक खुशी गायब सी हो गई है। धन कमाने की लिप्सा और साधनों की जुगाड़ के पीछे आदमी आध्यात्मिक साधना एवं सात्विक दिनचर्या से बहुत दूर हो चला है। प्रकृति ने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए जो बॉयलॉजिकल क्लॉक (जैविक घड़ी) की दिनचर्या बनाई है अर्थात् समय पर जागना, समय पर सोना, आध्यात्मिक साधना, शारीरिक व्यायाम, संतुलित आहार एवं सामाजिक मिलन सारिता के जो नियम बने हैं, उनका पालन अवश्य करना चाहिए। जीवन जीने के लिए ये सभी बातें अति आवश्यक हैं। देखा ये जा रहा है कि धन लिप्सा ने आदमी को लोभ, लालच में फंसाकर अनैतिक कार्य और हिंसा की ओर धकेल दिया है। उपरोक्त विचार माउण्ट आबू से पधारे डॉ. सतीश गुप्ता ने व्यक्त किए। बीके बाला बहन ने भी सम्बोधित किया। स्वागत भाषण बीके सविता दीदी ने दिया। संचालन बी.के. सुरेन्द्र भाई ने किया। इस दौरान सभी को शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वस्थ रहने के भी टिप्स बताए।

कार्यक्रम के दौरान बीके डॉ. सतीश गुप्ता, बीके सुरेन्द्र, बीके सविता व अन्य बहनें।

दिल्ली में भी किसान दिवस मनाया

शिव आमंत्रण, दिल्ली। राष्ट्रीय किसान दिवस पर मजलिस पार्क सेवाकेंद्र पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य रूप से दिल्ली ग्राम विकास प्रभाग दिल्ली की कोऑर्डिनेटर बीके राजकुमारी दीदी, किसान मोर्चा के जनरल सेक्रेटरी संजय राघव, राष्ट्रीय प्रवक्ता अरविंद कुमार और जिला अध्यक्ष अनुराग शुक्ला सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। सभी को यौगिक खेती के बारे में बताया गया।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश का बीके बहनों ने किया सम्मान

विजयवाड़ा (एपी)। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण को बीके शांता द्वारा सम्मानित किया गया। प्रभारी विजयवाड़ा, की अपनी यात्रा पर, रोटरी क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ए.पी. एलआर बीके बहनें। भारती, रत्नाकुमारी, पद्मजा, जया आदि मौजूद रहे। एन वी रमण जी को रोटरी क्लब द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में विजयवाड़ा, एपी की अपनी यात्रा पर बीके शांता बहन, प्रभारी विजयवाड़ा द्वारा सम्मानित किया गया।

वरदाता परमात्मा के घर आए अन्नदाता

शिव आमंत्रण, जबलपुर (मप्र)। राष्ट्रीय किसान दिवस पर जबलपुर स्थित मुख्य सेवाकेंद्र शिव स्मृति भवन भंवरताल में जिले किसान राष्ट्रीयर्यों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे जवाहरलाल कृषि विश्व विद्यालय के सीनियर साइंटिस्ट(एग्रोनोमिस्ट) डॉ ऐस.बी. अग्रवाल ने कहा कि वे पहली बार ऐसा कार्यक्रम देख रहे हैं, जहां कृषक यौगिक कृषि को अपनाकर उसका अनुभव सुना रहे हैं। अब तक कृषकों के जिन आयोजनों में वे शरीक हुए हैं, उनमें उन्नत कृषि के बारे में सिर्फ भाषण था। कृषि को आध्यात्मिक शोध कार्यरूप में समृद्ध ब्रह्माकुमारीज ही कर पाई है। इस मौके पर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके भावना बहिन ने कहा कि अन्नदाता आज वरदाता के घर में आये हैं। स्वयं भगवान के घर में उनका अभिनंदन हो रहा है। संस्था की ओर से कृषक जनप्रतिनिधियों को शॉल श्रीफल एवं ईश्वरीय सौगात देकर स्वागत किया गया। इस मौके पर बीके वर्षा ने कहा कि भारत भूमि कृषि और ऋषि की भूमि है। यहां खेत और योग की उन्नत परंपरा रही है। आयोजन को प्रसिद्ध सर्जन डॉ. एसके पांडे, बीके संदीप भाई, पत्रकार पवन पांडे ने भी संबोधित किया। बड़ी संख्या में पहुंचे कृषकों ने बाबा के घर में ब्रह्मा भोजन भी

उप्र की कैबिनेट मंत्री को दी यौगिक खेती की जानकारी

शिव आमंत्रण, चुनार, उप्र। चुनार में किसान दिवस पर जैविक खेती को बढ़ावा देने वाले और अन्य विशिष्ट किसानों को बीके बहनों ने सम्मानित किया। इस अवसर पर बीके तारा बहन ने किसानों को जैविक के साथ शाश्वत यौगिक खेती की विधि एवं फायदों से अवगत कराया। साथ ही पडरी में आयोजित एक कार्यक्रम के बीच बहनों ने प्रदेश की कैबिनेट मंत्री रीता बहुगुणा जोशी से मिलकर यौगिक खेती की जानकारी देने के साथ ईश्वरीय उपहार प्रदान किया।

स्नेह मिलन शिक्षा प्रभाग की ओर से खजुराहो सेवाकेंद्र पर शिक्षकों का स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित

शिक्षा में नैतिक मूल्यों का समावेश जरूरी: बीके विद्या

शिव आमंत्रण, खजुराहो (मप्र)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के शिक्षा प्रभाग द्वारा खजुराहो सेंटर में शिक्षकों का स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में खजुराहो हाई सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाध्यापक भ्राता अर्जुन सिंह, लिटिल एंजेल पब्लिक स्कूल से राजनगर स्कूल के प्रधानाध्यापक राजेंद्र सोनी, गायत्री स्कूल के प्रधानाध्यापक नरेश नामदेव, सहित कई शिक्षकगण उपस्थित रहे। स्नेह मिलन समारोह में खजुराहो सेवाकेंद्र इंचार्ज बीके विद्या बहन जी ने कहा कि अध्यात्म और शिक्षा का आपस में गहरा संबंध है आज हमें आवश्यकता है शिक्षा में नैतिक मूल्यों का समावेश करने की और साथ ही ब्रह्माकुमारी संस्थान के परिचय से संक्षिप्त में अवगत कराया। छतरपुर सेवाकेंद्र से पहुंची बीके रीना बहन ने कहा कि हम बच्चों को ऐसी शिक्षा दें जिससे उनके श्रेष्ठ चरित्र का निर्माण हो। शिक्षा वह जो हमारे अंदर आत्मविश्वास जागृत करें, शिक्षा वह जो हमें आचरण में दिखाई दे, शिक्षा वो जो अंतर्मन को सशक्त करे, और कहा ऐसी शिक्षा देने में शिक्षकों का योगदान जरूरी है। सभी को ईश्वरीय सौगात भेंट की और समारोह का समापन किया गया।

'नशामुक्त रहें और राजयोग अपनाएं'

शिव आमंत्रण, हरसूद(खंडवा) मप्र। राष्ट्रीय किसान दिवस पर सेवाकेंद्र पर किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें सेवाकेंद्र संचालिका बीके संतोष दीदी ने किसानों का शाश्वत यौगिक खेती के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर कृषक श्रीधर मुकाती, मानसिंग चौहान, हरिप्रसाद छापरे, श्रीराम मुख्य रूप से मौजूद रहे। इसके साथ ही सभी किसान भाइयों को जीवन में नशामुक्त रहने के साथ राजयोग मेडिटेशन अपनाने की सलाह दी गई।

सर्व को सन्तुष्ट करने वाली सन्तुष्टमणि बनो!

रिपोर्टर्स मीडिया ट्रेनिंग] माउंट आबू से पधारे बीके कोमल ने बताई पत्रकारिता की बारीकियां

बालब्रह्मचारी युवा सीख रहे पत्रकारिता के गुर

बिलासपुर में रिपोर्टर्स मीडिया ट्रेनिंग के पूर्व केक काटा और दीप प्रज्ज्वलन किया गया। **इनसेट:** पत्रकारिता के टिप्स बताते बीके कोमल।

शिव आमंत्रण,बिलासपुर (छग) ब्रह्माकुमारीज संस्थान से जुड़े बालब्रह्मचारी युवाओं ने मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता को बढ़ावा देने का बीड़ा उठाया। इसके लिए वह पत्रकारिता के मूलभूत सिद्धांत, तकनीक और लेखन कला सीख रहे हैं। इन युवाओं का कहना है कि मीडिया में तेजी से बढ़ती नकारात्मकता से समाज का सामाजिक तानाबाना बिखर रहा है। मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता और सकारात्मक खबरों को बढ़ावा देकर ही समाज को सही दिशा दी जा सकती है।

ब्रह्माकुमारीज के टेलीफोन एक्सचेंज रोड स्थित राजयोग मेडिटेशन भवन में एक दिवसीय रिपोर्टर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेशभर से बालब्रह्मचारी ब्रह्माकुमार भाई-बहनों ने भाग लिया। मुख्य ट्रेनर के रूप में माउंट आबू से पधारे संस्थान के पीआरओ एवं मधुबन न्यूज़ के निदेशक बीके कोमल भाई ने कहा कि पत्रकारिता एक साधना है। इसमें हम जितने रमते जाते हैं उतना इसकी बारीकियों से रूबरू होते जाते हैं। एक अच्छे और मजे हुए पत्रकार के लिए निर्भीक और निडर होना बहुत जरूरी है। पत्रकार को संवेदनशीलता होना भी बहुत जरूरी है। शिव आमंत्रण के संयुक्त संपादक बीके पुष्पेंद्र ने कहा कि समाचार लिखते समय ध्यान रखें कि उसमें नवीनता, सत्यता संक्षिप्तता, स्पष्टता होना बहुत जरूरी है तभी वह सुरुचिपूर्ण बनेगा। समाचार में सबसे महत्वपूर्ण हैडिंग होती है। हैडिंग जितनी आकर्षक, रोचक और गहराईपूर्ण होती है समाचार उतना ही पठनीय होता है। साथ ही सबहैड ऐसा हो जो हैडिंग को सपोर्ट कर रहा हो। ताकि पाठक को खबर की प्रकृति मोटे तौर पर समझ आ जाये। इस दौरान सेवाकेंद्र संचालिका बीके स्वाति दीदी ने कहा कि आज हम सभी ने तरीके से न्यूज बनाने की विधि सीखी। इस मौके पर बीके कमल भाई को मधुबन न्यूज का बिलासपुर क्षेत्र का ब्यूरो चीफ नियुक्त किया गया।

ब्रह्माकुमारीज़ के कारण ही भारत पुनः विश्व गुरु बन सकता है: सांसद

शिव आमंत्रण, कादमा (हरियाणा)। शहीद ऊधम सिंह की जयंती पर आजादी के अमृत महोत्सव के तहत ब्रह्माकुमारीज़ कादमा-झोझू द्वारा ग्रामीण पुस्तकालय तिवाला में किसान क्लब व हिंदुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। उद्घाटन भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद धर्मवीर सिंह, उप सिविल सर्जन डॉ. आशीष मान तथा ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने रक्त दाताओं को बैज लगाकर किया।

सांसद धर्मवीर सिंह ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्था नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों द्वारा समाज उत्थान के साथ शहीदों के मान सम्मान में भी बहुत बड़ा योगदान दे रही है। संस्थान के कारण ही भारत पुनः सोने की चिड़िया विश्व गुरु बन सकता है। बीके वसुधा ने कहा कि समाज व राष्ट्र में अमन चैन बनाए रखने के लिए हमें मिलजुलकर के सामाजिक कार्यों में अपना सहयोग करना चाहिए। इस दौरान सभी अतिथियों ने रक्त दाताओं को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौक पर पुस्तकालय प्रबंधक राजबीर सांगवान, किसान क्लब अध्यक्ष सतपाल सांगवान सचिव अशोक कुमार समाजसेवी मास्टर संजू, हरपाल आर्य आदि का विशेष सहयोग रहा।

वर्कशॉप | स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के सुरक्षा बलों को किया मोटिवेट

सकारात्मकता से हर परिस्थिति को स्वीकार कर विजयी बन सकते हैं

शिव आमंत्रण, केवड़िया (गुजरात)। जीवन को खुशनुमा बनाने के लिए वन विभाग के सहयोग से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी केवड़िया में ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा वर्कशॉप आयोजित की गई। इसमें मुख्य वक्ता भगवान भाई ने कहा कि स्वयं की रक्षा करने वाला ही देश की रक्षा कर सकता है। वर्तमान समय स्वयं को सकारात्मक बनाने की आवश्यकता है। सकारात्मक सोचने वाला हर परिस्थिति को स्वीकार कर विजयी बन सकता है। राजयोग के नित्य अभ्यास से ही हमारा मनोबल और आत्मबल बढ़ता है। सकारात्मक रहने से हर समस्या का समाधान निकलता है। वन अधिकारी डॉ. शशि कुमार ने कहा कि वर्तमान परिवेश में ब्रह्माकुमारीज की बातों को अमल में लाकर तनाव से मुक्त रह सकते हैं। मुख्य वन संरक्षक भरूच चितरंजन सोनवने सहित अन्य अधिकारी व सुरक्षाबल जवान मौजूद रहे।

समाजसेवा में की गई उल्लेखनीय सेवा पर बीके प्रेमलता सम्मानित

शिव आमंत्रण, चरखी दादरी (हरियाणा)। चरखी दादरी जिला के प्रशासनिक विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव कार्यक्रम में स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका बीके प्रेमलता बहन को समाज सेवाओं में किए गए उल्लेखनीय कार्य के लिए उपायुक्त प्रदीप गोदारा, अतिरिक्त उपायुक्त मनीष नागपाल एवं सीटीएम मनीष नागपाल, चरखी दादरी विधायक सोमवीर सांगवान ने सम्मानित किया।

Posted at Shantivan P.O. Dt. 17 to 20 of Each Month

Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2021-23. Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2021

सूचना के लिए संपर्क करें

सामाजिक सेवाओं तथा आंतरिक सशक्तिकरण के प्रयास के साथ निकाला गया मासिक **शिव आमंत्रण समाचार पत्र** एक संपूर्ण अखबार है। इसमें आप सभी पाठकों का लगातार सहयोग मिल रहा है, यही हमारी ताकत है।

वार्षिक मूल्य 110 रुपए, **तीन वर्ष** 330
आजीवन 2500 रुपए

पत्र व्यवहार का पता

संपादक ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज़ शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन, आबू रोड, जिला- सिरोही, राजस्थान, पिन कोड- 307510, **मो.** 6377090960, 9414172596, 9413384884
Email shivamantran@bkivv.org

खबर: एक नज़र

किसान दिवस पर कार्यक्रम हुआ

शिव आमंत्रण, झालावाड़ (राज.)। राष्ट्रीय किसान दिवस पर कार्यक्रम हुआ। इसका उद्घाटन राधेश्याम विश्वकर्मा हरनावदा भारतीय किसान संघ तहसील, शंकर सिंह भैंसड़िया राष्ट्रीय किसान संगठन अध्यक्ष, गोविंद सिंह मंदिरपुर तहसील मंत्री किसान संघ, गोपाल व्यास राष्ट्र किसान संघ जिला मंत्री गोपाल सिंह हरनावदा ग्राम समिति अध्यक्ष, बीके नेहा दीदी ने किया।

200 किसानों ने जानी यौगिक खेती

शिव आमंत्रण, तुमसर (महाराष्ट्र)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा किसान दिवस पर कार्यक्रम हुआ। इसमें 200 किसान भाई-बहनों ने भाग लिया। प्रमुख अतिथि तुमसर बीडीओ डीबी पाटील, जिला परिषद सभापति धनेंद्र तुरकर, किसान गर्जना राजेन्द्र पटले, प्रवीण पटले इंजीनीयर यूएस प्रमुख मार्गदर्शक के रूप में बीके प्रेमलता कामठी उपस्थित थे। सेवाकेंद्र संचालिका बीके शक्ति ने संचालन किया। सभी किसानों का यौगिक खेती के बारे में बताया गया।

फरीदाबाद:मीडिया सेमीनार आयोजित

शिव आमंत्रण, फरीदाबाद, हरियाणा। आजादी का अमृत महोत्सव पर स्वर्णिम भारत की ओर विषय पर मीडिया वर्ग से जुड़े लोगों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन कर विश्वस्त पत्रकारिता संघ हरियाणा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमेंद्र शर्मा व अन्य वरिष्ठ पत्रकार और बीके ज्योति ने किया।

खंडवा: 40 अन्नदाता सम्मानित

शिव आमंत्रण, खंडवा (मप्र)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा राष्ट्रीय किसान दिवस पर किसान सम्मान समारोह का आयोजन भाग्योदय भवन आनन्द नगर में किया गया। 40 अन्नदाताओं का शॉल, श्रीफल एवं पुष्पमाला से स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि सी.वी. रमन यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. अरूण जोशी, उपकुलपति रवि चतुर्वेदी, शैलेन्द्र जलोदिया (जिला मंत्री किसान संघ), धरमचन्द पटेल (प्रांतीय अध्यक्ष किसान संघ) उपस्थित रहे। सेवाकेंद्र संचालिका बीके शक्ति बहन ने कहा कि वर्तमान समय यौगिक खेती का समय है। जिसके प्रयोग से किसान भाई अपनी फसल का उत्पादन बढ़ाने के साथ फसल की गुणवत्ता में भी सुधार कर सकते है। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा शाश्वत यौगिक खेती के बारे में किसान भाईयों को निःशुल्क प्रशिक्षित किया जा रहा है। जिसका लाभ किसान ले सकते हैं। संचालन ब्र.कु. सीमा बहन ने किया।

■ **प्रकाशक एवं मुद्रक:** ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डीबी कॉर्प लिमिटेड जयपुर से मुद्रित ■ **संपादक: ब्र.कु. कोमल** ■ **संयुक्त संपादक: ब्र.कु. पुष्पेन्द्र** ■ **RNI No.: RJHIN/2013/53539**